mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-204 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
24 जुलाई 2024 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

क्रिकेट मेरा भगवान...
@ पेज 7

उम्मीदों का बजट, सौगातों की बहार

- 3 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री, एजुकेशन लोन 10 लाख रुपए कर दिया
- भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 9 प्राथमिकताओं पर जोर
- नौकरी और कौशल विकास पर 2 लाख करोड़ रुपए तक खर्च करने का ऐलान
- महिलाओं-लड़कियों को फायदा पहुंचाने वाली योजनाओं पर 3 लाख करोड़ खर्च

साड़ी के विशेष कलर से दिया आम जनता को मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट में होने वाली घोषणाओं के साथ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लुक पर भी लोगों का ध्यान होता है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश कर फाइनेंस मिनिस्टर ने 23 जुलाई को इतिहास रच दिया। निर्मला सीतारमण ने लगातार 7वीं बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाया है।

गरीबों,किसानों और महिलाओं के लिए खुला खजाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कमर कस ली है। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जब बजट भाषण पढ़ा तो यही बात नजर आई। निर्मला सीतारमण ने सातवीं बार बजट पेश किया है। यह मोदी सरकार का यह 13वां बजट है, जिसमें निर्मला ने कहा कि यह बजट गरीब, महिला, युवा और अन्नदाताओं पर फोकस है। भारत की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में अपना विश्वास तीसरी बार जताया है। वहीं, मुश्किल दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था तेज गति से चल रही है। निर्मला के इस बजट में आम आदमी को थोड़ी सी राहत देते हुए नए टैक्स रिजीम में बदलाव किया गया है, जिसके तहत 3 लाख तक की इनकम अब टैक्स फ्री होगी। वहीं, पुरानी टैक्स रिजीम में 2.5 लाख रुपए तक की इनकम पर टैक्स से छूट पहले की ही तरह जारी रहेगी। यानी सरकार धीरे-धीरे नई टैक्स रिजीम की ओर बढ़ रही है। वित्त मंत्री निर्मला ने बजट में सबके लिए कुछ न कुछ दिया है।

मोबाइल फोन सस्ते होंगे

सोना-चांदी पर भी ड्यूटी घटाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब बजट में गिनी-चुनी चीजें ही सस्ती या महंगी होती हैं। सरकार ने 1 जुलाई 2017 को देशभर में जीएसटी लागू किया था, जिसके बाद से बजट में केवल कस्टम और एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई-घटाई जाती है। ड्यूटी के बढ़ने और घटने का का इनडायरेक्ट असर चीजों की कीमतों पर पड़ता है। तो इस बार सरकार ने मोटे तौर पर 7 चीजों पर कस्टम ड्यूटी घटा दी है और 2 की ड्यूटी बढ़ा दी है। बीते एक साल में सोना-चांदी 13,000 रुपए महंगे हुए हैं।

युवाओं को इंटर्नशिप के लिए 5 हजार महीना मिलेगा

मोदी सरकार की 5वीं नई योजना के तहत 500 बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार की इंटर्नशिप योजना से 1 करोड़ युवाओं को फायदा होगा। पीएम मोदी का यह युवाओं के लिए स्पेशल इंटर्नशिप पैकेज है। इसके तहत युवाओं को 500 टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप करने की मौका मिलेगा। साथ ही हर महीने 5 हजार रुपये का इंटर्नशिप भत्ता भी दिया जाएगा।

एजुकेशन लोन 10 लाख तक, ब्याज पर भी छूट

वित्त मंत्री ने घरेलू संस्थानों में हायर एजुकेशन के लिए लोन 10 लाख तक किए जाने भी ऐलान किया। घरेलू संस्थानों में हायर एजुकेशन के लिए 10 लाख रुपए तक के ऋण के लिए ई-वाउचर हर साल 1 लाख छात्रों को सीधे ऋण राशि के 3 फीसदी की वार्षिक ब्याज छूट के लिए दिए जाएंगे।

बनेंगे तीन नए एक्सप्रेस-वे

युवाओं के लिए 5 नई स्कीम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में बिहार में 3 एक्सप्रेसवे, भागलपुर के पीरपैंती में पावर प्लांट के साथ ही पूर्वी राज्यों के डेवलपमेंट के लिए पूर्वोदय स्कीम का ऐलान किया है। वहीं जॉब-स्किल डेवलपमेंट के लिए 5 नई योजनाओं की घोषणा की।

पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस वे, बोधगया-राजगीर-वैशाली-दरभंगा एक्सप्रेस वे और बक्सर में गंगा नदी पर दो लेन का पुल बनाया जाएगा। बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 26 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का ऐलान है। अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरीडोर के तहत गया में औद्योगिक केंद्र बनाया जाएगा। पीरपैंती में 21,400 करोड़ की लागत से 2400 मेगावॉट की क्षमता का पावर प्लांट बनेगा।

नीतिश को 59 हजार करोड़, नायडू को 15 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लगातार सातवीं बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाया। 1 घंटे 23 मिनट के भाषण में उनका फोकस शिक्षा, रोजगार, किसान, महिला और युवाओं पर रहा। इसके अलावा नीतिश कुमार के बिहार और

चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश पर केंद्र सरकार मेहरबान रही। मोदी सरकार 3.0 बिहार के सीएम की जेडीयू और आंध्र प्रदेश के सीएम की टीडीपी के भरोसे चल रही है। वित्त मंत्री ने बिहार में इंफ्रा और अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए 58 हजार 900 करोड़ रुपए और आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपए की घोषणा की।

यह बजट देश को समृद्धि देने वाला मिडिल क्लास को नई शक्ति देगा

- पीएम मोदी ने रखी अपनी बात, विपक्ष बोला-ये नीतिश और चंद्रबाबू से डरा हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश किया। ये उनका लगातार सातवां बजट था। बजट के साथ ही देश भर में इसे लेकर रिएक्शन भी आने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह बजट समृद्धि की राह पर ले जाने वाला बजट है। बजट को गृहमंत्री शाह ने मोदी सरकार में आशावाद की नई भावना कहा है, तो वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री देने वाले राज्य यूपी को कुछ नहीं मिला है। उधर, विपक्ष से जुड़े नेताओं ने इसे प्रधानमंत्री सरकार बचाओ योजना का नाम दिया है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि यह नीतिश कुमार और चंद्रबाबू नायडू से डरा हुआ बजट है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एनकाउंटर, 1 जवान घायल

जमू में 24 घंटे में दूसरा हमला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी के पास बट्टाल सेक्टर में मंगलवार (23 जुलाई) सुबह करीब 3 बजे आर्मी-आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। सेना की ओर बताया गया कि कुछ आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे, जिसे नाकाम कर दिया

गया। सूत्रों के मुताबिक, पुंछ के कृष्ण घाटी बेल्ट से कुछ आतंकी बट्टाल में घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सेना के जवानों को आतंकियों के मूवमेंट की सूचना मिल गई थी। सेना ने तुरंत एक्शन लेते हुए उन्हें रोका। हालांकि, आतंकियों के घायल होने या मारे जाने की सूचना अभी नहीं मिली है।

प.बंगाल में मिली एक गुप्त सुरंग, जांच जारी

गवर्नर बोले-

नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ा खतरा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले के एक घर में पुलिस को एक सुरंग मिली थी। यह सुरंग बांग्लादेश की बॉर्डर के करीब है। इसे लेकर गवर्नर

आनंद बोस ने ममता सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठाए हैं। गवर्नर ने कहा है कि बॉर्डर के पास के घर में सुरंग निकलना देश के लिए खतरा है। ममता बनर्जी सरकार को मजबूत और निष्पक्ष कानून व्यवस्था बनाने की जरूरत है।

चुनिंदा मामलों में ही जमानत पर रोक लगे:एससी

- मनी लॉन्ड्रिंग केस पर कहा-एक शख्स बिना कारण के जेल में सड़ता रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि कोर्ट के पास बेल ऑर्डर पर स्टे लगाने

का अधिकार होता है, लेकिन यह स्टे सिर्फ असामान्य मामलों और असाधारण परिस्थितियों में ही लगाना चाहिए। जस्टिस अभय सिंह ओका और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने यह टिप्पणी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी परविंदर सिंह खुराना की याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

भारतीय हथियारों की दीवानी हुई दुनिया

पिनाका, ब्रह्मोस...

विश्व के टॉप निर्यातकों में हुआ शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में तनावपूर्ण माहौल के बीच भारत के हथियारों का निर्यात लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा इकनॉमिक सर्वे से खुलासा हुआ है कि दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश अब हथियारों के निर्यात में भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है। भारत ने करीब 85 देशों को ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर पिनाका रॉकेट और तोपें निर्यात की हैं। भारत बड़े पैमाने पर तोप के गोलों का भी निर्यात कर रहा है। भारत से हथियार खरीदने वाले देशों में

आर्मेनिया और फिलीपीन्स जैसे देश शामिल हैं जो बड़े खतरे का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा इटली, मालदीव, रूस, श्रीलंका, यूएई, फिलीपीन्स, सऊदी अरब, पोलैंड, मिस्र, इजरायल, स्पेन चिली भी शामिल हैं। भारत के इकनॉमिक सर्वे 2024 के मुताबिक भारत का हथियार उत्पादन साल 2017 के वित्तीय वर्ष में 74,054 करोड़ था जो साल 2023 में बढ़कर अब 1,08,684 करोड़ पहुंच गया है। इससे हथियारों का निर्यात काफी बढ़ गया है।

24 लाख छात्रों पर पड़ेगा असर

दोबारा नहीं होगी नीट परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट ने माना-पूरी परीक्षा में गड़बड़ी होने के पर्याप्त सबूत नहीं, आज से काउंसलिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी पेपर लीक केस में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि यह परीक्षा दोबारा नहीं कराई जा सकती क्योंकि बड़ी गड़बड़ी साबित नहीं हो सकी है। कोर्ट ने कहा कि फिर से परीक्षा कराना ठीक नहीं होगा और यह 24 लाख छात्रों के भविष्य का मामला है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अदालत ने कहा कि इस मामले में व्यवस्थागत खामी की बात साबित नहीं होती है। इसलिए दोबारा से परीक्षा कराने का आदेश नहीं दिया जा सकता। अदालत ने कहा, फिर से एग्जाम कराने का आदेश देना 24 लाख बच्चों के लिए मुश्किल भरा होगा, जिन्होंने परीक्षा दी थी। इससे एडमीशन का शेड्यूल भी बाधित होगा।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री श्री काश्यप से गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के पदाधिकारियों ने भेंट की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप से सोमवार को वल्लभ भवन, मंत्रालय में गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट की। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने वेट और जीएसटी के अंतर की लम्बित प्रोत्साहन राशि का भुगतान करने, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में एग्जीबिशन सेंटर को शीघ्र पूरा कराने का आग्रह किया। मंत्री श्री काश्यप ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि औद्योगिक क्षेत्र को व्यवस्थित और सुविधा सम्पन्न बनाया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल में एसोसिएशन अध्यक्ष विजय गौर एवं अन्य पदाधिकारी तथा सदस्य शामिल थे। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने मंत्री श्री काश्यप का स्वागत किया।

कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में प्रबंधक निलंबित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचारण संधारण भोपाल संभाग अंतर्गत गत दिवस रात्रि में विद्युत आपूर्ति सेवाओं में आपात स्थिति में व्यवधान उत्पन्न होने के दौरान अनुपस्थित रहने एवं कार्य में लापरवाही बरतने के कारण खजूरी सड़क वितरण केन्द्र में पदस्थ प्रबंधक श्री गौरव अटूट को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खजूरी सड़क वितरण केन्द्र में पदस्थ प्रबंधक श्री गौरव अटूट को गत दिवस रात्रि में विद्युत आपूर्ति सेवाओं में आपात स्थिति में व्यवधान उत्पन्न होने के दौरान अनुपस्थित होने एवं कार्य में लापरवाही बरतने के कारण प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अविध में श्री अटूट का मुख्यालय संभागीय कार्यालय भोपाल नियत किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने सचेत किया है कि कार्य में पारदर्शिता, लगन, निष्ठा और उपभोक्ता सेवाओं को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी में जीरो टोलरेंस की नीति लागू है और सभी मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे उपभोक्ता सेवाओं और कंपनी की उत्तरोत्तर तरक्की के लिए निरन्तर प्रयास करते रहें।

अन्नदाताओं की समृद्धि का आधार है खेती : पीएचई मंत्री उइके

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने मण्डला जिले के ग्राम टिकरवारा में प्रतिवर्ष अनुसार अपने पैतृक खेत में धरती मां को प्रणाम कर अपने परिजन के साथ धान के पौधों का रोपण किया। उन्होंने बताया कि धान के पौधों का रोपा गांव के लोग आपस में मिलकर लगाते हैं इसलिए रोपा लगाने के लिए आपसी समन्वय जरूरी है। खेती करने के लिए सामुदायिकता की यह परम्परा हमें मिलनसार, सहृदय और विनम्र बनाती है। ये समाज की वो परंपराएं हैं जो संस्कृति रूपी पौधों का रोपण करती हैं। इससे आपसी भाईचारा और सहयोग की भावना बढ़ती है। खेती करना किसानों के लिए उनकी जीविका का प्रमुख आधार है। मंडला जिले में अस्सी प्रतिशत लोग खेती कर अपना जीवन यापन करते है। किसानों के विकास की गति को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सरकार किसानों की समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे सभी किसान शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर समृद्ध व खुशहाल बन सकें।

श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर आयोजन किया गया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय भोपाल में गुरु पूर्णिमा का आयोजन उत्साह पूर्वक किया गया। प्रथम दिवस कार्यकम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। साथ ही छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं वेद पाठ किया। इस अवसर पर छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं द्वारा गुरु पर आधारित भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिन्हें समवेत स्वरों में गाया गया। प्राचार्य डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने गरु महिमा पर अपना उद्धबोधन देते हुये कहा कि गुरु की महिमा का वर्णन नहीं किया जा सकता। गुरु हमें जीवन के महानतम उद्देश्य की ओर ले जाने का मार्ग दिखाते हैं। जीवन के प्रथम गुरू हमारे माता-पिता होते हैं। ज्ञान एवं भक्ति के पथ पर आगे बढ़ाने वाले गुरु हमारे संतजन हैं। श्री सत्य साई बाबा की मंगल आरती द्वारा प्रथम दिवस के कार्यकम का समापन हुआ। द्वितीय दिवस का प्रारंभ दीप प्रज्जवलन व गुरु वंदना से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. श्रीमती चरणजीत कौर, प्राचार्य, केरियर महाविद्यालय तथा डॉ. आशा अग्रवाल, पूर्व प्राचार्य, श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय उपस्थित रहीं। अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल एवं तुलसी का नन्हा पौधा भेंट कर किया गया। स्वागत भाषण महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने दिया तथा उन्होंने शिक्षा को जीवन के लिये आवश्यक बताया।

खाद्य मंत्री ने मृतकों के परिजन को वितरित की 4-4 लाख की सहायता राशि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण मृत व्यक्तियों के परिजन को सहायता राशि वितरित की। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि घर के किसी भी व्यक्ति कि अचानक मृत्यु उस परिवार के लिए असहनीय कष्ट और पीड़ा दायक होती है जिसे कोई भी कम नहीं कर सकता। सरकार का यह प्रयास है कि हम ऐसे परिवारों की सहायता करके उनका दुख बांटने का प्रयास करें। इसके तहत सुरखी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में सांप के काटने एवं कुआं में गिरने डूबने से हुई मौत से प्रभावित परिजनों को आज शासन के निर्देशानुसार आरबीसी 6-4 के तहत सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टेहरा टेहरी के साहिल पिता धर्मेंद्र पटेल, जितेंद्र पिता बैजनाथ निवासी केवलारी, गणपत दांगी, भगवान दास पटेल निवासी टेहरा टिहरी, अखिलेश पिता गजई चढार निवासी परगासपुरा की कुआं में डूबने से मृत्यु होने पर तथा कुमारी अवनी पिता रामकृष्ण कुर्मी निवासी हिनोद को सांप के काटने से मृत्यु होने पर मंत्री श्री राजपूत ने चार-चार लाख रुपए की राशि के चेक उनके परिजन को प्रदान किए।

बिजली कर्मियों से मारपीट करने पर छः आरोपियों सहित अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा थाना सबलगढ़ जिला मुरैना के ग्राम मांगरौल में गत शनिवार को बिजली चोरी की चेकिंग के दौरान कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर जानलेवा हमला एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने पर थाना सबलगढ़ में 6 नामजद आरोपियों सहित आधा दर्जन से अधिक अज्ञात आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।

गौरतलब है कि कंपनी कार्यक्षेत्र के मुरैना वृत्त अंतर्गत श्री जेम्स जयंत लाकरा, उप महाप्रबंधक सतर्कता, मुरैना द्वारा परीक्षण सहायक एवं सुरक्षा सैनिक सहित ग्राम मांगरौल में बिजली चोरी चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा था। इस दौरान मांगरौल निवासी रामरज यादव, कदम सिंह रावत, विकास रावत, विनोद रावत, बदनसिंह रावत, दिलीप रावत सहित अन्य अज्ञात आधा दर्जन से अधिक आरोपियों द्वारा बिजली अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शासकीय कार्य में बाधा डालने के साथ ही, अभद्र व्यवहार तथा मारपीट की गई है। कंपनी द्वारा घटना के तुरंत बाद थाना सबलगढ़ में आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। थाना सबलगढ़ द्वारा आरोपियों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 121(1), 132, 296, 351(1), 3(5) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम 1989 (संशोधन 2015) की धारा 3(1)द, 3(1)ध तथा 3(2)(व्हीए) के तहत अपराध पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। कंपनी के मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तुरन्त एफ.आई. आर. कराने के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि प्राय: देखने में आ रहा है कि बिजली कर्मियों पर ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार किया जा रहा है। चूंकि ऐसी घटनाएं विद्युत अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल गिराती हैं, इसलिए कंपनी के कार्यक्षेत्र में कार्यरत सभी नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री शुक्ला ने जाना राज्य मंत्री श्री पंवार का हाल-चाल

भोपाल।मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने सोमवार को मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार के निवास पहुँच कर स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना। उनकी कुशलक्षेम पूछी।

राज्यमंत्री श्री पंवार कई दिनों से बंसल हॉस्पिटल में उपचाररत थे। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद श्री पवार अपने बंगले पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिये सरकार कोई कसर नहीं रखेगी-जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि विद्यार्थियों के बेहतर व सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिये हमारी सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। प्रदेश के सभी छात्रावासों में बेहतर से बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इससे विद्यार्थियों को वहां रहकर पढ़ाई करने और अपना भविष्य संवारने के लिये एक अच्छा सुकून भरा सकारात्मक परिवेश उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली अलग-अलग प्रकार की छात्रवृत्तियों में एकरूपता लाने और छात्रवृत्ति पाने के लिये विद्यार्थियों से मांगे जाने वाले दस्तावेज एवं छात्रवृत्ति स्वीकृति की प्रक्रिया के सरलीकरण के लिये योजना का प्रस्ताव शीघ्र बनाया जाये। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने छात्रावासों में व्यवस्थाओं के सदृढ़ीकरण एवं छात्रवृत्ति में एकरूपता लाने के लिये राज्य सरकार द्वारा गठित अंतर्विभागीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। गैर शिक्षकीय कार्यों में संलग्न शिक्षकों को मूल पदस्थापना में भेजकर उनसे सिर्फ अध्यापन का कार्य लिया जायेगा। इससे बच्चों की पढ़ाई और बेहतर होगी, साथ ही इसके गुणवत्तापूर्ण व सफल परिणाम भी सामने आयेंगे। बैठक में सभी विभागों के अधीन संचालित विभिन्न श्रेणी के छात्रावासों की वर्तमान स्थिति, निवासरत विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में मानव संसाधन व अधोसंरचनात्मक सुविधाओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन छात्रावासों की स्थिति व विद्यार्थियों को दी जा रही छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यांश व केन्द्रांश मिलाकर विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप छात्रवृत्तियां दी जा रही हैं। इसके अलावा होनहार बच्चों को मेधावी छात्रवृत्ति योजना में भी लाभान्वित किया जाता है।

बाबा महाकाल की सवारी में पहली बार जनजातीय कलाकारों की प्रस्तुति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उज्जैन में बाबा महाकाल की सावन महीने की पहली सवारी सोमवार को निकाली गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सवारी में पहली बार जनजातीय कलाकारों का दल प्रस्तुति दे रहा है। अब तक सवारी में केवल परंपरागत भजन मंडल दल ही शामिल होते थे। बाबा महाकाल की सवारी में धार-झाबुआ के भील जनजातीय दल के सदस्यों ने उत्साह से सहभागिता करते हुए भगोरिया नृत्य की प्रस्तुति दी। जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के माध्यम से भागीदारी कर रहे हैं। प्रति सोमवार अलग अलग जिलों से जनजातीय कलाकार उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल सवारी में हिस्सा लेंगे।

बिजली उपभोक्ता सायबर जालसाजों से सावधान रहें-ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि बिजली उपभोक्ता सायबर जालसाजो से सावधान रहें। बिजली बिल का भुगतान कंपनी के अधिकृत गेट-वे अथवा कंपनी में कैश काउण्टर पर करें। कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल कर नंबर दबाने हेतु कहा जाता है। इसमें बिल भुगतान कराने हेतु भय बनाकर कहा जाता है कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं अथवा मोबाइल नंबर विशेष पर संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं। इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज एवं आई.व्ही.आर. फोन कॉल फर्जी हैं। इन पर ध्यान नहीं दें। उन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि इस प्रकार के फर्जी सायबर जालसाजों से सतर्क और सावधान रहें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेन्टर, आईसेक्ट कियोस्क पर ही करें। उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के केशलेश भुगतान हेतु कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम एप, व्हाट्सएप पे एवं उपाय मोबाइल एप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। कंपनी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया है कि कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सएप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। किसी भी मोबाइल नंबर से आए फोन के आधार पर किसी भी अज्ञात मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने सभी कलेक्टर को जारी किये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत एकीकृत शालाओं की बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिये एकीकृत शाला निधि का समुचित उपयोग किया जायेगा। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र दिशा-निर्देश जारी किये है। वार्षिक अनुदान अब शाला में विद्यार्थियों के नामांकन के आधार पर जारी होगा। एकीकृत शाला निधि का उपयोग शाला प्रबंध समिति एवं विकास समिति के अनुमोदन के बाद किया जा सकेगा। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने सभी जिला कलेक्टर को पत्र लिखा है। एकीकृत शाला निधि का उपयोग शालाओं की स्वच्छता, बस्तामुक्त, बालसभा, यूथ एण्ड ईको क्लब के अंतर्गत विज्ञान मित्र एवं स्कूल के आसपास की खोज जैसी गतिविधियों पर मुख्य रूप से किया जायेगा। इसके साथ ही शाला निधि का उपयोग खेलकूद और बालिकाओं के आत्म प्रशिक्षण पर भी मुख्य रूप से खर्च किया जायेगा। निर्देश में कहा गया है कि विद्यालय में ग्रीन बोर्ड छात्राओं के बैठने के लिये समुचित व्यवस्था, शालाओं की बुनियादी सुविधाओं पर आवश्यक खर्च और शालाओं में नियमित सफाई की व्यवस्था पर किया जायेगा। एकीकृत शाला में पढ़ने वाले छात्रों की पाठ्य पुस्तके और कॉपी वर्ष भर विद्यार्थियों के पास सुरक्षित रहें, इसके लिये शिक्षकों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गये है। सामग्री क्रय करते समय स्व-सहायता समूह को प्राथमिकता दी जायेगी। प्रदेश में एकीकृत शालाएँ अब कक्षा 1 से 8, कक्षा 6 से 10, कक्षा 6 से 12, कक्षा 1 से 10 और कक्षा 1 से 12 के रूप में निर्धारित की गई है। नई शिक्षा नीति-2020 की चौथी वर्षगांठ के मौके पर प्रदेश की शालाओं में 22 जुलाई से शिक्षा सप्ताह की गतिविधियां प्रारंभ हो गई है। यह गतिविधियां 28 जुलाई तक निरंतर जारी रहेंगी।

गतिविधियों के तहत कक्षाओं में लघु नाटिका, कहानी सुनाना, जादुई पिटारा से संबंधित गतिविधियां हो रही है। सप्ताह के दूसरे दिन मूलभूत साक्षरता, विद्यार्थियों में पढ़ाई की प्रति रूचि, खिलौना आधारित शिक्षा और फिल्म प्रदर्शन जैसी गतिविधियां होंगी। सप्ताह के तीसरे और चौथे दिन सभी शालाओं में स्वदेशी खेलों की गतिविधियों को विशेष रूप से आयोजित किया जायेगा। बच्चों की प्रतिभा को निखारने के मकसद से सांस्कृतिक विविधता पर केन्द्रित भाषा, वेशभूषा, खान-पान, लोकनृत्य और लोकगीतों की जानकारी दी जायेगी। सप्ताह के पांचवे दिन शाला के नजदीक सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा।

इसी दिन जैविक खेती, पशुपालन, सहकारी समितियों का भ्रमण, मिट्टी, शिल्प और बाँस जैसी साम्रगियों के महत्व के बारे में छात्रों को बताया जायेगा। सप्ताह के छटवें दिन प्रत्येक शाला में ईको क्लब के गठन के साथ ही प्रत्येक शाला में कम से कम 35 पौधें लगायें जायेंगे। छात्रों को इनके सुरक्षा की शपथ दिलाई जायेगी। सप्ताह के सातवें और अंतिम दिन सामूहिक महत्व के प्रयासों को बताने के लिये जागरूकता रैली का आयोजन मुख्य रूप से किया जायेगा।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर प्रत्येक गतिविधि में अधिक से अधिक छात्रों की सहभागिता पर विशेष ध्यान देने के लिये कहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने सप्ताह के दौरान शालाओं में मौजूद प्रयोगशालाओं में छात्रों की मौजूदगी के साथ गतिविधि आयोजित करने के लिये कहा है।

पेश बजट विकसित भारत के चारो स्तंभो को सशक्त एवं समृद्ध करने वाला : सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने बजट पर प्रतिरि या व्यक्त करते हुए कहा कि विकसित भारत की दिशा में वर्ष 2024/25 का बजट पेश करने के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का क्षेत्र की जनता जनार्दन की ओर से हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि यह बजट विकसित भारत के चार महत्वपूर्ण स्तंभ युवा, गरीब, महिला और किसान को सशक्त एवं समृद्ध करने वाला है। आज पेश हुए बजट में 3 लाख तक की इन्कम पर कोई टैक्स न लगना, टूरिज्म को बढ़ावा देना और एमयसएमई के माध्यम से गरीब और मध्यम वर्गीय को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही 20 लाख तक का नए रोजगार के लिए ऋण देना ऐसी अनेकों योजनाएं और स्कीम बजट में शामिल की गई है। वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में समृद्धशाली और विकसित भारत की झलक दिखती है। इस बजट का एक बहुत बड़ा फोकस देश के किसान है। अन्न भंडारण के लिए दुनिया की सबसे बड़ी स्कीम के बाद अब हम सब्जी उत्पादन क्लस्टर बनाने जा रहे हैं। इससे छोटे किसानों को सब्जी, फल अन्य उपज के लिए नए बाजार मिलेंगे और बेहतर दाम मिलेंगे।

बजट देश के गांव, गरीब, किसान को समृद्धि की राह पर ले जाने वाला.... शरदेन्दू तिवारी

भारतीय जनता पार्टी के मध्य प्रदेश के प्रदेश महामंत्री और चुरहट के पूर्व विधायक शरदेंदु तिवारी ने कहा कि लगातार सातवीं बार बजट पेश करते हुए निर्मला सीतारमण ने देश को विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बनाया है। अब विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने वाला यह बजट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश किया गया बजट, गरीबी को समाप्त करने और गरीबों का सशक्तिकरण करने में सहयोगी होगा। 3 करोड़ नए प्रधानमंत्री आवास बनेंगे। गरीब व मध्यम वर्गीय को टैक्स में छूट देकर उनका सशक्तिकरण किया गया है। जिसके कारण मिडिल क्लास का जीवन स्तर ऊपर उठेगा। कुल मिलाकर पेश हुए बजट में गरीब, किसान और गांव का सशक्तिकरण होगा।

सतत एवं समावेशी विकास बजट की प्राथमिकता - रीती पाठक

सीधी विधायक रीती पाठक ने कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का यह पहला बजट है जिसे केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में पेश किया। इसमें कृषि क्षेत्र पर खास फोकस किया गया है। उसके लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बजट पेश होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आम बजट को अमृत काल के लिहाज से अहम बताया यह जो पांच साल के लिए हमारी दिशा तय करने के साथ ही 2024 तक विकसित भारत की आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विधायक रीती पाठक ने कहा कि इस बजट में 9 प्राथमिकताएं हैं, जिसमे खेती में उत्पादकता, रोजगार और क्षमता विकास, समग्र मानव संसाधन विकास, सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अधोसंरचना, नवाचार, शोध और विकास, अगली पीढ़ी के सुधार सहित अन्य कारकों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। इसलिए यह बजट एक तरफजहां विकसित भारत के 2047 के सपने को साकार करेगी वहीं दूसरे तरफ देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

अपर कलेक्टर ने सुनी 261 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला पंचायत सभागार में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 261 आवेदकों की समस्याओं को अपर कलेक्टर राजेश शाही ने ध्यानपूर्वक सुना और निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे। अपर कलेक्टर शाही द्वारा संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए।

अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में उपस्थित अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा लोगों की समस्या के त्वरित निराकरण करने की मंशा से जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। अपर कलेक्टर ने कहा कि हितग्राहीमूलक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाय। मैंदानी स्तर पर सभी पात्र हितग्राहियों को उनकी पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ सहज रूप से दिलाया जाना सुनिश्चित हो। अपर कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि लोगों की सामान्य समस्याओं का निराकरण ग्राम पंचायत, तहसील और नगरीय निकाय के स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए, उन्हें अपनी छोटी -छोटी एवं जायज कार्यों के लिए जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े।

जनसुनवाई में वार्ड नं. 4 नूतन कॉलोनी सीधी से आये 61 वर्षीय दिव्यांग गोलाई भुजवा जो ठेला में पूड़ी सब्जी बेचकर अपना जीवन यापन करते थे लेकिन 8 माह पहले लकवा की समस्या हो जाने के कारण पैर सही से काम नहीं कर पा रहा है जिससे चलने बैठने में असक्षम हैं। कहीं भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। उनकी शारीरिक स्थिति को देखकर अपर कलेक्टर द्वारा ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। गोलाई को ट्राई सायकिल प्राप्त होने से बहुत सुविधा मिल गयी है। दैनिक रि याकलाप में काफी सहूलित हो जाएगी। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में श्रद्धाभाव और उमंग के साथ मनाया गया गुरुपूर्णिमा का उत्सव

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में दो दिवसीय गुरुपूर्णिमा का उत्सव श्रद्धाभाव और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित के साथ हुई। कार्यक्रम में पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक रामपाल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पराग साकेत, धीरज नामदेव, जगत बहादुर सिंह सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. निशा सिंह ने किया।

दूसरे दिन कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के बाद डॉ. सौरभी गुप्ता और डॉ.संगीता मिश्रा के नेतृत्व में प्रार्थना की गई। योग और ध्यान पर डॉ. सुरेंद्र गुप्ता ने छात्रों को अवगत कराया। डॉ. अमिता खरे ने गुरुपूर्णिमा के इतिहास के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में शिक्षण सिद्धांत के बारे में डॉ. राजेश पटेल ने बताया। वही आधुनिक शिक्षण प्रणाली में नवाचार की भूमिका पर प्रवीण साकेत ने प्रकाश डाला। महाविद्यालय की डॉ. सौरभी गुप्ता ने गुरु-शिष्य संबंधों की व्याख्या की। डॉ. संध्या वर्मा ने गुरुपूर्णिमा के बारे में बताया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामपाल सिंह ने कहा कि गुरु के बगैर मानव जीवन नीरस है। आत्मज्ञान से ही जीवन सफल और सार्थक होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में धीरज नामदेव ने भी छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति ने कहा कि गुरु की कृपा से ही व्यक्ति के हृदय का अज्ञान व अंधकार दूर होता है। गुरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओ काजल तिवारी, रुचि तिवारी, शीलू शुक्ला, लक्ष्मी सेन, सुधा कुशवाहा, संतोषी मिश्रा, प्राची गुप्ता, सत्यभामा तिवारी, आदि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत मे महाविद्यालय परिवार के द्वारा रामपाल सिंह का शाल और श्रीफल के द्वारा सम्मान किया गया तो वही महाविद्यालय के अतिथि विद्वानों द्वारा प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। महाविद्यालय की छात्रा मंदाकिनी तिवारी के द्वारा महाविद्यालय के शिक्षकों का नारियल और तिलक लगाकर सम्मान किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. दीपक अग्निहोत्री, डॉ. कमलेश जायसवाल, डॉ. संगीता मिश्रा, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. पंकज मिश्रा, डॉ. सुरेंद्र गुप्ता, डॉ. राजेश पटेल, प्रवीण साकेत, डॉ. निशा सिंह, दीपराज प्रजापति, डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा, डॉ.सौरभी गुप्ता, डॉ. अमिता खरे, डॉ. संध्या वर्मा, डॉ. ज्योति रजक, सुंदरलाल प्रजापति, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सीधी पुलिस को मिली सफलता

181 की शिकायतों के निराकरण में प्रदेश स्तर पर उच्चतम पायदान पर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। 181 की शिकायतों के निराकरण करने की दिशा में सीधी पुलिस ने प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान अर्जित किया है। जिस पर पुलिस अधीक्षक डॉ.रविन्द्र वर्मा ने जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस समस्त थाना प्रभारी एवं सीएम हेल्पलाईन शाखा पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीधी की प्रशंसा।

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के द्वारा प्रदेश में चलाई जा रही बहुआयामी योजना सीएम हेल्प लाइन 181 के तहत समस्त शासकीय विभागों में आमजन को समय पर सहायता न मिलने की स्थिति में आमजन सीधे सीएम हेल्प लाइन नंबर 181 पर शिकायत कर अपनी समस्या बता सकता हैं।

उक्त शिकायतकर्ता के द्वारा की गई शिकायत को संबंधित विभाग को ट्रांसफर कर उसे जल्द से जल्द निकाल हेतु वरिष्ठ कार्यालयों द्वारा सुपरविजन किया जाता है। इसी प्रकार पुलिस से संबंधित शिकायतों का पूरा लेखा जोखा पुलिस कार्यालय में भी रखा जाता हैं, जिसमें पुलिस अधीक्षक एवं उनकी टीम के द्वारा प्रत्येक शिकायत का बारीकी से अवलोकन किया जाता है साथ ही प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत मिलकर उनकी बताई समस्याओं का तत्काल समय सीमा में निराकरण किया जाता है। जिसके परिणाम स्वरूप सीधी जिला माह जुलाई में सीएम हेल्प लाइन के निराकरण में पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व के कारण प्रदेश में शिकायतकर्ता की सीएम हेल्प लाइन शिकायतों का निराकरण कर संतुष्टि पूर्वक बन्द कराने में प्रदेश में द्वितीय स्थान पर रहा है।

सीधी से रीवा जा रही तेज रफ्तार नफीस बस बाइक को रौंद कर पलटी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मंगलवार की शाम करीब 6 बजे नफीस बस सर्विस वाहन क्रमांक एमपी 13पी1217 सीधी से रीवा जाते समय टनल के आगे एवं गुढ़ बाजार रीवा के पूर्व ग्राम बदवार में पलट गयी। स्थानीय जनो की माने तो सीधी से रीवा जाते समय बस काफी तीव्र गति में थी, और अनियंत्रित बस को देख कर मौके पर दो पहिया वाहन चालक जो कतिपय कारणों से पैदल ही चलते हुए बाइक को ले जा रहा था, सड़क में बाइक को छोड़ खेत की ओर कूद गया। तभी बस चालक बस से दो पहिया वाहन को रौंदता हुआ निकला और आगे जाकर अनियंत्रित होकर बस को पलटा दिया। वहीं गनीमत रही कि बस में सवार यात्रियों को अति गंभीर चोंटे नही आई हैं। बस में सवार जख्मी यात्रियों को उपचार हेतु स्थानीय पुलिस की मदद से रीवा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनका उपचार जारी है।

सरस्वती विद्यालय करौंदिया में स्वागत समारोह कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शिक्षा के साथ संस्कारों की जननी सरस्वती विद्यालय करौंदिया में नव निर्वाचित सांसद एवं विद्यालय के पूर्व संरक्षक डॉ.राजेश मिश्रा के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही विद्यालय के नाम को प्रदेश स्तर तक पहुँचाने में विशेष योगदान देने वाले विद्यालय के प्राचार्य रमेश चन्द्र त्रिपाठी को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

सरस्वती विद्यालय करौंदिया के संस्था अधीक्षक आचार्य राजेश मिश्रा ने बताया कि विगत दिवस आयोजित समारोह में नव निर्वाचित सांसद डॉ.राजेश मिश्रा का विद्यालय परिवार द्वारा सम्मानित किया गया वहीं विद्यालय के नवीन प्राचार्य श्रीमती सपना पाण्डेय द्वारा पदभार ग्रहण करने पर उन्हे भी शुभ कामनायें प्रेषित की गयीं।

वहीं कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के पूर्व प्राचार्य रमेश चन्द्र त्रिपाठी को भावभीनी विदाई दी गयी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि सीमित संसाधन में विद्यालय के गौरव को बढ़ाने में पूर्व प्राचार्य रमेश चन्द्र त्रिपाठी द्वारा कोई कोर कसर नही छोड़ी गयी। श्री त्रिपाठी जब मड़रिया विद्यालय में सेवायें दे रहें थें तब से लेकर आज दिनांक तक अपने कर्तव्य एवं दायित्व निर्वहन में कभी भी शिकायत का मौंका नही दियें। श्री त्रिपाठी बड़े ही कर्मठ योग्य एंव जुझारू व्यक्ति हैं, मैं श्री त्रिपाठी को चुरहट विद्यालय के प्राचार्य पद ग्रहण करने पर शुभ कामनायें प्रेषित करता हूँ।

जन सहयोग से होगा विद्यालय का विकास - सांसद

सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरस्वती विद्यालय में पढ़े बच्चे आज बड़े पदो पर आशीन होकर विद्यालय परिवार को गौरवान्वित कर रहे हैं। वहीं विद्यालय परिवार द्वारा वर्तमान में आर्थिक स्थिती के चलते विद्यालय का विकास अवरूद्ध होने की बात कही गयी जिस पर सांसद ने कहा कि जल्द ही जन सहयोग से आर्थिक मद्द की जायेगी।

उक्त कार्यक्रम में प्रांतीय संगठन मत्री अमित दबे, संभागीय समन्व्यक वैकुण्ठसाह, व्यवस्थापक जानकीदास तिवारी, उपाध्यक्ष उदय कमल मिश्रा, कोषाध्यक्ष चन्द्रभान बसंतानी, डॉ.अरविन्द शुक्ला, डॉ रंजना शुक्ला, गोपाल गुप्ता, अनीता चौरसिया, डॉ अरुण सिंह, अजय चौबे, ठाकुर प्रसाद, कुशल शुक्ला, संस्था अधीक्षक राजेश मिश्रा, आचार्य योगेश पाण्डेय,प्रदीप, रामायण द्विवेदी, सुनीता मिश्रा एवं छात्र छात्राएँ उपस्थित रहकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान कियें।

सेमरिया एवं खड्डी पुलिस ने दो नाबालिगो को किया दस्तयाब

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ रविंद्र वर्मा द्वारा जिले भर में अपहृत बालक बालिकाओं को दस्तयाब करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी तरताम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी चुरहट निरीक्षक पुष्पेन्द्र मिश्रा एवं थाना प्रभारी रामपुर नैकिन निरीक्षक सुधांशु तिवारी के नेतृत्व में टीम द्वारा दो अलग अलग अपहृताओ को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

मिली जानकारी के आधार पर बताया गया कि 22 जुलाई 24 को फरियादिया चौकी खड्डी थाना रामपुर नैकिन आकर इस आशय कि रिपोर्ट लेख कराई कि मेरी 16 वर्ष 11 माह की नाबालिक लड़की दिनांक 20.07.2024 से घर से बिना बताये निकली एवं शाम तक नही आई। आस पास नाते रिस्तेदारी सब जगह पता की पर कही नही मिली मुझे शंका है कि कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर मेरी नाबालिग लडकी को भगा ले गया है। फरियादिया कि रिपोर्ट पर चौकी खड्डी थाना रामपुर नैकिन मे धारा 137/2 भारतीय साक्ष्य अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान अपहृता की पता तलाश की गई कायमी के महज 24 घंटे के भीतर बस स्टैंड सीधी से अपहृता को दस्तयाब किया जाकर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

वहीं दूसरी घटना चौकी सेमरिया में 31 मार्च 24 की बताई जा रही है। फरियादिया ने रिपोर्ट लेख कराया कि मेरी 16 वर्ष की नाबालिक लड़की 29.03.2024 के शायं 6 बजे घर से निकली और वापस नही आई। घर वापस न आने पर नाते रिस्तेदारी सभी जगह पता किया जो कही नही मिली है। फरियादी कि रिपोर्ट पर थाना चौकी सेमरिया थाना चुरहट मे धारा 363 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना व पता मे लिया गया दौरान पता तलाश के बाद 23 जुलाई 2024 को अपहृता को दस्तयाब किया जाकर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

केंद्र सरकार के बजट ने किसानों की उम्मीदो पर फेरा पानी : पूर्व नेता प्रतिपक्ष

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। चुरहट विधायक एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा है कि बजट में देश की बेरोजगारी खत्म करने, महंगाई से राहत दिलाने और किसानों को राहत देने के लिए कोई इच्छा शक्ति और दूर दृष्टि दिखाई नहीं देती है। केंद्र सरकार का बजट निराशाजनक है। इस बजट में न तो किसानों की पूरी फसल एमएसपी पर खरीदने के प्रावधान है और न ही मुफ्त बिजली और सस्ते खाद बीज देने की बात है। सरकार को किसानों के हित में कृषि उपकरणों पर जीएसटी घटाना चाहिए था लेकिन वित्त मंत्री ने नाउम्मी द किया है। किसान कल्याण निधि में भी कोई बढोत्तरी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ, शिक्षा, किसान और युवाओं के लिए कुछ नही है। युवा अपने लिए लगातार पक्की नौकरी के लिए लड़ाई लडता आ रहा है। उसे हमेशा की तरह बहलाया जा रहा है।

संतुलित एवं विकासोन्मुखी बजट : डॉ शिशिर मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट कल्याणकारी है, जिससे विकास के पहियों में रफ्तार आएगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। बजट मे बुनियादी ढांचो पर भी जोर दिया गया है जिससे रोजगार के अवसर बढेंगे एवं अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। बैंकिंग सेक्टर में इंटर्नशिप योजना से शिक्षित बेरोजगारों को फायदा मिलेगा। लघु उद्योग मध्यम उद्योगों यानी एमएसएमई मैं फोकस देकर रोजगार सृजन से आत्मनिर्भरता विकसित होगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तीन करोड़ घरों का निर्माण एक बहुत ही अच्छा कार्य है। कृषि क्षेत्र में किए गए प्रावधानों और योजनाओं से किसानों को लाभ होगा एवं पैदावार में बढ़ोतरी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए अच्छा खासा बजट है यदि अच्छी से रि यान्वयन हुआ तो जनता को अच्छा लाभ होगा, केंसर की दवाइयां सस्ता करना बहुत अच्छा कार्य है।

समाजवादी पार्टी ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव राम प्रताप ने सीधी के जन समस्याओं को लेकर शासन प्रशासन को याद दिलाए हैं कि किसान आवारा पशुओं से परेशान है आए दिन रोड पर एक्सीडेंट हो रहा है भाजपा सरकार घोटाले की सरकार है। बेरोजगार नौजवानों से फर्म भरवा कर पेपर लीक हो जाता है महंगाई भ्रष्टाचार चरम पर है। सीधी जिले में विश्वविद्यालय की मांग को लेकर कई बार ज्ञापन सौंपा गया लेकिन अभी तक कार्यवाही नहीं की गई, अन्य जन समस्याओं को लेकर शासन प्रशासन को आगाह किया गया एवं अन्य समस्यों को लेकर राज्यपाल के नाम का ज्ञापन एसडीमए गोपद बनास को सौंपा गया।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा गुरू पूर्णिमा पर प्रतियोगिता आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी किए गए त्रैमासिक कैलेंडर के अनुसार 21 जुलाई 2024 को गुरू पूर्णिमा के पावन पर्व पर भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ में गुरू शिष्य परंपरा पर भाषण प्रतियोगिता तथा गुरू शिष्य परंपरा पर आधारित गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विचार

यूपी विधानसभा में अखिलेश का नेता प्रतिपक्ष चुनने का सियासी समीकरण

उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 29 जुलाई से शुरू होने जा रहा है और समाजवादी पार्टी (सपा) के सामने सबसे बड़ी चुनौती नेता प्रतिपक्ष के चयन की है। 2022 से अखिलेश यादव इस पद की जिम्मेदारी निभा रहे थे, लेकिन अब कन्नौज से सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। इस बीच, यह देखने वाली बात होगी कि अखिलेश यादव अपनी जगह पर किसे नेता प्रतिपक्ष बनाते हैं। सपा में इस समय दो अलग-अलग धड़े हैं। एक धड़ा शिवपाल यादव को नेता प्रतिपक्ष बनाने की कोशिश में है, जबकि दूसरा धड़ा उनके विरोध में है। शिवपाल यादव, जो सपा के संस्थापक सदस्य हैं और पूर्व में छह बार विधायक रह चुके हैं, नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए एक प्रमुख उम्मीदवार माने जा रहे हैं। हालांकि, उनके खिलाफ भी कुछ तर्क प्रस्तुत किए जा रहे हैं। अखिलेश यादव के कई करीबी नेता शिवपाल यादव को नेता प्रतिपक्ष के पद पर न नियुक्त करने के पक्ष में हैं। उनका कहना है कि शिवपाल यादव अच्छा वक्ता नहीं हैं और सदन में पार्टी की बात को ठीक से नहीं रख पाएंगे। इसके अलावा, यह भी कहा जा रहा है कि शिवपाल यादव को नेता प्रतिपक्ष बनाना सपा पर यादव परस्ती का आरोप लगवा सकता है, जो कि हाल के लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सपा के अध्यक्ष से लेकर लोकसभा के नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर यादव समुदाय के सदस्य होने से विपक्ष को घेरने का मौका मिल सकता है। इसलिए, यह संभावना है कि अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी किसी गैर-यादव नेता को सौंप सकते हैं। शिवपाल यादव को मुख्य सचेतक का पद देने का विचार किया जा सकता है। इस समय, विधानसभा में एक मजबूत नेता की तलाश की जा रही है जो अखिलेश यादव की जगह ले सके और योगी सरकार को चुनौती दे सके। अंबेडकर नगर से विधायक राम अचल राजभर और कौशांबी से विधायक इंद्रजीत सरोज के नाम इस फेहरिस्त में शामिल हैं। राम अचल राजभर गैर-यादव ओबीसी समुदाय से आते हैं, जबकि इंद्रजीत सरोज दलित समुदाय के पासी जाति से हैं। पासी समुदाय ने 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा को समर्थन दिया है और पांच पासी सांसद चुने गए हैं। इस स्थिति में, इंद्रजीत सरोज के नेता प्रतिपक्ष बनने की संभावना अधिक दिखाई देती है। इंद्रजीत सरोज सदन में उपनेता के पद पर हैं और पार्टी के सियासी समीकरण में फिट बैठते हैं। सपा की रणनीति में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) समुदायों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। ऐसे में, राम अचल राजभर या इंद्रजीत सरोज को उचित नेतृत्व की भूमिका देना पार्टी के पीडीए फॉर्मूले के अनुरूप हो सकता है।

नरेंद्र मोदी से इतनी नफरत क्यों करता है पश्चिमी मीडिया?

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने दोनों कार्यकालों में पश्चिमी नेताओं के साथ अब तक के सबसे अच्छे संबंध रहे हैं। लेकिन पश्चिमी मीडिया के साथ ऐसा नहीं है, जिसने उन्हें ताकतवर से लेकर तानाशाह तक, कई तरह के शब्दों से संबोधित किया है। अब जबकि 2024 के लोकसभा चुनावों के अंतिम परिणाम आ चुके हैं और नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, तब पश्चिमी मीडिया द्वारा फैलाए गए भारत-विरोधी और मोदी-विरोधी एजेंडे का त्वरित मूल्यांकन करना जरूरी हो जाता है। भारत ने लोकसभा चुनावों के दौरान विदेशी पर्यवेक्षकों को भारतीय चुनावी प्रक्रिया देखने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन पश्चिमी मीडिया ने मोदी सरकार पर अल्पसंख्यकों के प्रति घृणा से भरे हिंदुत्व के एजेंडे को आगे बढ़ाने का अपना सामान्य बयान जारी रखा। दिलचस्प बात यह है कि अधिकांश पश्चिमी मीडिया रिपोर्ट्स में मोदी सरकार की विभिन्न मामलों में कड़ी आलोचना की गई है और विपक्ष को पीड़ित के रूप में पेश किया गया है।

पत्रकारिता का नियम है कि संतुलित रिपोर्टिंग में सभी पक्षों के तथ्य और सभी पक्षों के बयानों को समान रूप से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। लेकिन चाहे वह दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ़्तारी का मुद्दा हो या प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव प्रचार भाषण का मुद्दा, जिसमें उन्होंने विपक्षी कांग्रेस पर भारत के नागरिकों के अधिकारों को छीनने का आरोप लगाया था, पश्चिमी मीडिया कवरेज ने पूरे परिदृश्य को विकृत किया और बिना किसी पर्याप्त संदर्भ और दूसरे पक्ष के किसी भी दृष्टिकोण को शामिल किए पक्षपातपूर्ण और एकतरफा बयान जारी किये। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है ब्रिटिश दैनिक समाचार पत्र द गार्जियन की 2024 के लोकसभा चुनाव कवरेज की कुछ सुर्खियां, जिसमें उन्होंने भारतीय चुनावों को कवर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से रिपोर्ट प्रकाशित की। आइये द गार्जियन में प्रकाशित लेखों के कुछ शीर्षकों पर नजर डालते हैं- भारत में चुनाव पूरे जोरों पर हैं, नरेंद्र मोदी हताश-और खतरनाक होते जा रहे हैं पीएम नरेंद्र मोदी का दावा है कि उन्हें भगवान ने चुना है, भारतीय चुनाव पर द गार्जियन का दृष्टिकोण- नरेंद्र मोदी बने नफरत के सौदागर चुनावी कानूनों की धज्जियां उड़ाई गईं, विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया गया - मोदी की भाजपा के खिलाफ खड़े होने का परिणाम' मोदी राजमार्ग बनाते हैं लेकिन नौकरियां कहां हैं?' भारत के चुनाव पर बढ़ती असमानता। इनमें से कुछ हेडलाइनें 'द गार्जियन' जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशन से नहीं, बल्कि एक सस्ते टैब्लॉयड से सीधे निकली हुई लगती हैं। अत्यधिक पूर्वाग्रह से ग्रसित ये हेडलाइनें शायद किसी सनसनीखेज थ्रिलर के कवर पर या किसी मेलोड्रामैटिक सोप ओपेरा के पंचलाइन के रूप में अधिक उपयुक्त लगेंगी। आप पहला लेख देखें, भारत में चुनाव पूरे जोरों पर हैं, नरेंद्र मोदी हताश-और खतरनाक होते जा रहे हैं। यह लेख सलिल त्रिपाठी द्वारा लिखा गया है, जिनका गलत सूचना फैलाने और भारत विरोधी प्रचार करने का इतिहास रहा है। वे इंटरनेशनल राइटर्स इन प्रिज़न कमेटी के अध्यक्ष भी हैं। उनका यह लेख 2002 के गोधरा दंगों के लिए भारतीय प्रधानमंत्री को दोषी ठहराने की सामान्य कथा से शुरू होता है और उन्हें अपराधी के रूप में चित्रित करता है। त्रिपाठी अपनी सुविधा के अनुसार इस प्रमुख कथा से चिपके रहते हैं और सफेद झूठ का प्रचार करते हैं। वह यह उल्लेख करने की भी परवाह नहीं करते कि भारतीय प्रधानमंत्री को 2002 के गोधरा नरसंहार के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी आरोपों से बहुत पहले ही बरी कर दिया गया है। जाहिर है, लेखक यह सब नहीं बताएगा क्योंकि यह उसकी शातिर कथा के अनुकूल नहीं है। लेख का बाकी हिस्सा हमेशा की तरह मोदी की हिंदुत्व वाली राजनीति के बारे में ही चर्चा करता है। लेखक के अनुसार, मोदी की राजनीति खतरनाक और स्पष्ट रूप से विभाजनकारी है। मोदी के भाषण की तीव्रता से पता चलता है कि सत्ता में 10 साल रहने के बाद, उनकी सरकार के पास कोई तरकीब नहीं बची है और वह यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भाजपा के मुख्य मतदाता उनका साथ न छोड़ें। द गार्जियन के अलावा जर्मन ब्रॉडकास्टर डॉयचे वेले भी अपने इसी एजेंडे में लगा हुआ है। डॉयचे वेले ने हाल ही में एक लेख प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था, क्या भारत का चुनाव आयोग मोदी के खिलाफ शक्तिहीन है? यह लेख भी प्रधानमंत्री मोदी के चुनावी भाषण पर केंद्रित है। लेख में उनके भाषण को सनसनीखेज बनाने की कोशिश की गई है, जिसमें कहा गया है कि उनके शब्द इस्लामोफोबिया में डूबे हुए थे। लेकिन जाने अनजाने में लेखक ने इस लेख में ऐसे तथ्य भी प्रस्तुत कर दिये, जो दिखाते हैं कि मोदी सरकार ने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए सबसे अधिक योजनाएँ चलाई हैं। लेख में सुविधाजनक रूप से उस संदर्भ को भी छोड़ दिया गया है, जिसमें मोदी ने टिप्पणी की थी कि धर्म के आधार पर आरक्षण प्रदान करना भारतीय संविधान की भावना और प्रावधानों के विरुद्ध है। लेख में इस बात पर बहस की जा सकती थी कि क्या धर्म के आधार पर आरक्षण प्रदान करना वास्तव में भारतीय संविधान की मूल बातों के विरुद्ध है, या इसके लिए कोई जगह है? लेकिन इस तरह के काम के लिए गहन शोध की आवश्यकता होती है और कम से कम यहाँ %डॉयचे वेले% का इरादा निष्पक्ष समाचार रिपोर्टों के बजाय पक्षपाती और इमोशनल क्लिकबेट कहानियों को जगह देना था। लेख में भारत के चुनाव आयोग को एक निष्क्रिय दर्शक भी कहा गया है और किसी तरह यह स्थापित करने के लिए अज्ञात स्रोतों का हवाला दिया गया है कि चुनाव आयोग एक पार्टी के प्रति पक्षपाती है। देश के चुनाव आयोग के खिलाफ चुनावों के बीच में बिना किसी सबूत के और अज्ञात स्रोतों द्वारा दिए गए सामान्यीकृत बयानों के आधार पर आकस्मिक आरोप लगाना क्या वाकई में पत्रकारिता है। हालाँकि, ऐसा लगता है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने और भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का एक बहुत ही सूक्ष्म प्रयास है। इसी तरह सीएनएन भी मोदीफोबिया के रथ पर सवार होकर यह लेख लिखता है कि भारत का चुनाव अभियान नकारात्मक हो गया है क्योंकि मोदी और सत्तारूढ़ पार्टी इस्लामोफोबिया की बयानबाजी को अपना रहे हैं। लेकिन, इनमें से एक भी मीडिया आउटलेट महिलाओं के खिलाफ भयानक संदेशखली हिंसा, या टीएमसी के लोगों द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं की बेरहमी से हत्या, या भाजपा की नूपुर शर्मा की टिप्पणियों का समर्थन करने के लिए कन्हैया कुमार की बेरहमी से हत्या जैसे मुद्दों पर बात नहीं करता। द गार्जियन डॉयचे वेले, सीएनएन आदि जैसे मीडिया आउटलेट इन मुद्दों को कवर नहीं करते, क्योंकि ये उनके नैरेटिव के अनुकूल नहीं हैं, लेकिन कुछ मुद्दों पर पक्षपातपूर्ण कवरेज करके भारत विरोधी प्रचार जरूर करते हैं। इसी कड़ी में फाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा, 'लोकतंत्र की जननी की हालत अच्छी नहीं है।' न्यूयॉर्क टाइम्स ने तो 'मोदी का झूठ का मंदिर' बताया, जबकि फ्रांस के प्रमुख अखबार ले मॉन्द ने लिखा, 'भारत में केवल नाम का लोकतंत्र है।' अमेरिकी न्यूज चैनल फॉक्स ने 20 मई को लिखा, 'अयोध्या में अल्पसंख्यकों को लगातार डराया जा रहा है।' सीएनबीसी ने चुनाव को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया है, वहीं सीबीएस टेलीविजन नेटवर्क ने मोदी के चुनाव प्रचार को अल्पसंख्यक विरोधी बताया है। जब लगभग सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन भारत की आलोचना कर रहे थे, तो नई दिल्ली स्थित विदेशी संवाददाता भी उसमें शामिल हो गए। आस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख अवनी डायस ने यह दावा करते हुए भारत छोड़ दिया कि उन्हें वीजा नहीं मिला और चुनाव कवरेज का मौका नहीं दिया गया।

हालांकि ऐसा नहीं था, उनकी वीजा अवधि 18 अप्रैल, 2024 को समाप्त हो गई थी। वीजा बढ़ाने के लिए उन्होंने न तो फीस भरी थी और न अन्य औपचारिकताएं ही पूरी की थीं। बावजूद इसके अवनी ने भ्रामक बयान दिया। इसके बाद वह वापस लौटी तो द आस्ट्रेलिया टुडे ने एक रिपोर्ट में लिखा कि अवनी ने अपनी नई नौकरी और शादी के लिए भारत छोड़ा था। जाहिर है अवनी झूठ बोल रही थी। उनका मकसद रिपोर्टिंग करना नहीं, बल्कि सरकार की छवि को बिगाड़ना था। इस घटना के तत्काल बाद 30 विदेशी पत्रकारों ने संयुक्त बयान जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि, ''भारत में विदेशी पत्रकार, विदेशी नागरिक का दर्जा रखने वाले वीजा और पत्रकारिता परमिट पर बढ़ते प्रतिबंधों से जूझ रहे हैं।'' दरअसल पश्चिमी मीडिया की ज्यादातर कोशिश यही रहती है कि वह भारत के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप पर फर्जी खबरें तैयार भारत की छवि को धूमिल कर सकें। पश्चिमी मीडिया का मोदीफोबिया अंतहीन है।

संघ किसे और क्यों मानता है अपना गुरु?

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) 2025 में अपनी यात्रा के सौ वर्ष पूर्ण कर लेगा। वर्तमान समय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने आप में विश्व के अपने आप में अनूठे एवं अद्वितीय सांस्कृतिक संगठन के रूप में दिखाई देता है जिसने इतनी बड़ी यात्रा तय की है। यह अपने आप में बहुत बड़ी लकीर है। साथ ही समाज के मध्य जीवन्त उदाहरण भी है कि- मूल्यों, विचारों और उन्हें चरितार्थ करने के लिए शाश्वत बोध हो तो महान से महान लक्ष्य भी प्राप्त किया जा सकते हैं। 27 सितम्बर 1925 को विजयादशमी के दिन हिन्दू समाज को संगठित और सशक्त करने का ध्येय लेकर जन्मजात देशभक्त डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। 10 नवम्बर 1929 को संघ की औपचारिक संरचना के उद्देश्य से उन्हें सरसंघचालक चुना गया। इस प्रकार वे संघ के संस्थापक सरसंघचालक कहलाए। संघ की शुरुआत करने से पूर्व वे स्वतन्त्रता संग्राम के प्रखर क्रान्तिकारी नेता के रूप में भी चर्चित रहे। कांग्रेस में रहने के दौरान क्रान्तिकारी गतिविधियों में शामिल होने के चलते उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। 1917 में गांधी जी के सत्याग्रह आन्दोलन के समय भी %राज्य समिति के सदस्य% के रूप में क्रान्तिकारी गतिविधियों में भाग लेने के चलते जेल जाना पड़ा था। तत्पश्चात असहयोग आंदोलन के दौरान अंग्रेजों के विरुद्ध भाषण देते हुए वर्ष 1921 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 1 वर्ष के कारावास की सज़ा दी गई यों तो 1925 में संघ की विधिवत शुरुआत हो चुकी थी लेकिन स्थायित्व और संगठनात्मक सुव्यवस्था- दृढ़ीकरण को लेकर डॉ. हेडगेवार चिंतन करते रहते थे। चूंकि किसी भी संगठन को चलाने के लिए अर्थ (धन) की आवश्यकता होती है। अतएव संघ के लिए धन कहां से आएगा? आर्थिक अनुशासन के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए। इन समस्त बिन्दुओं पर उन्होंने स्वयंसेवकों से विचार विमर्श किया। किसी ने चंदा लेने, किसी ने दान, किसी ने सदस्यता शुल्क तो किसी ने निजी बचत से संघ कार्य के संचालन का सुझाव दिया। अन्ततः डॉ. हेडगेवार ने %गुरु पूजन और समर्पण% की अपनी संकल्पना प्रस्तुत की। इसके लिए गुरु पूर्णिमा (व्यास पूर्णिमा) को चुना गया और तय किया गया कि इसी दिन गुरु के समक्ष सभी स्वयंसेवक गुरु दक्षिणा के रूप में समर्पण करेंगे। चूंकि डॉ. हेडगेवार ने अभी स्वयंसेवकों के मध्य यह प्रकट नहीं किया था कि गुरु के रूप में वे किसे स्वीकार कर रहे हैं। इसलिए सभी स्वयंसेवकों के मन में भांति-भांति प्रकार की जिज्ञासा थी। गुरु को लेकर अपनी अपनी कल्पना- परिकल्पना थी। किन्तु जब 1928 में संघ के पहले गुरुपूजन, गुरु पूर्णिमा का अवसर आया तो डॉ. हेडगेवार के भाषण को सुन वहां उपस्थित स्वयंसेवक अचम्भित रह गए। उस दिन सर्वप्रथम उन्होंने कहा था- गुरु के रूप में हम परम पवित्र भगवा ध्वज का पूजन करेंगे और उसके सामने ही समर्पण करेंगे। यानि कि डॉ. हेडगेवार ने स्पष्ट रूप से संघ के गुरु के रूप में %भगवा% ध्वज की प्रतिष्ठा की घोषणा कर दी थी?। उन्होंने संघ के लिए %भगवा ध्वज% को ही गुरु के रूप में क्यों स्वीकार किया। इसके सम्बन्ध में गुरुपूजन के अवसर पर उन्होंने भगवा ध्वज की महत्ता और उसकी ऐतिहासिक सांस्कृतिक प्रतिष्ठा पर विस्तार से प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा था कि-

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी भी व्यक्ति को गुरु न मानकर परम् पवित्र भगवा ध्वज को ही गुरु मानता है। व्यक्ति कितना भी महान हो फिर भी उसमें अपूर्णता रह सकती है। इसके अतिरिक्त यह नहीं कहा जा सकता कि व्यक्ति सदैव ही अडिग रहेगा। तत्व सदा अटल रहता है। उस तत्व का प्रतीक भगवा ध्वज भी अटल है। इस ध्वज को देखते ही राष्ट्र का सम्पूर्ण इतिहास, संस्कृति और परम्परा हमारी आँखों के सामने आ जाती है। जिस ध्वज को देखकर मन में स्फूर्ति का संचार होता है वह अपना भगवा ध्वज ही अपने तत्व के प्रतीक के नाते हमारे गुरु-स्थान पर है। संघ इसीलिए किसी भी व्यक्ति को गुरु-स्थान पर रखना नहीं चाहता। अपने भाषण के उपरान्त सबसे पहले डॉ. हेडगेवार ने स्वयं गुरु पूजन किया। तत्पश्चात वहां उपस्थित स्वयंसेवकों ने भगवा ध्वज की गुरु के रूप में पूजा की और अपना- अपना समर्पण दिया। इस प्रकार वर्ष 1928 में नागपुर में संपन्न हुए गुरु पूर्णिमा- गुरुपूजन उत्सव में स्वयंसेवकों ने 84 रुपए और कुछ आने ही गुरु दक्षिणा के रूप में समर्पण किया। स्पष्टतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूप में संगठन की शुरुआत करते हुए डॉ. हेडगेवार ने संघ के लिए व्यक्तिनिष्ठ के स्थान पर तत्वनिष्ठ होने की पद्धति विकसित की। उन्होंने संघ को लेकर जिन मूल संकल्पनाओं एवं व्यवस्थाओं का सूत्रपात किया वे वर्तमान तक अपने उसी स्वरुप में दिखाई देती हैं। संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर उपाख्य श्री गुरुजी से लेकर वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत तक ने गुरु के रूप में भगवा ध्वज की महत्ता को बारम्बार उद्घाटित किया है। 23 अगस्त 1946 को पुणे में आयोजित गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्री गुरुजी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा था कि- इसलिए संघ कार्य में उचित समझा गया कि हम भावना, चिह्न, लक्षण या प्रतीक को गुरु मानें। हमने संघकार्य के द्वारा सम्पूर्ण राष्ट्र के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया है। समाज के सब व्यक्तियों के गुणों तथा शक्तियों को हमें एकत्र करना है। इस ध्येय की सतत् प्रेरणा देनेवाले गुरु की हमें आवश्यकता थी। संघ के वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत भी गुरु दक्षिणा और भगवा ध्वज की महानता के सन्दर्भ में अपने उद्बोधनों के माध्यम से उन्हीं विचारों को प्रकट करते हैं। विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित भविष्य का भारत व्याख्यानमाला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था- हमारा संघ स्वावलंबी है।

जो खर्चा करना पड़ता है वो हम ही जुटाते हैं। हम संघ का काम चलाने के लिए एक पाई भी बाहर से नहीं लेते। किसी ने लाकर दी तो हम लौटा देते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वयंसेवकों की गुरुदक्षिणा पर चलता है। साल में एक बार भगवा ध्वज को गुरु मानकर उसकी पूजा में दक्षिणा समर्पित करते हैं। भगवा ध्वज गुरु क्यों, क्योंकि वह अपनी तब से आज तक की परम्परा का चिह्न है। जब-जब हमारे इतिहास का विषय आता है, ये भगवा झंडा कहीं न कहीं रहता है। डॉ. हेडगेवार ने जब संघ के संचालन के लिए आदर्श और प्रतीक चुने तो व्यक्ति को नहीं बल्कि विचारों को चुना । इसके लिए उन्होंने भारत के स्वर्णिम अतीत को आत्मसात करने का दिग्दर्शन प्रस्तुत किया।

शादी से 2 दिन पहले दुल्हन का मर्डर

मंगेतर ने मिलने बुलाया था, विवाद के दौरान बेहोश हुई तो मरा समझकर तालाब में फेंका

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शादी से 2 दिन पहले होने वाले दूल्हे ने दुल्हन की हत्या कर दी। उसने रात 12 बजे लड़की को मिलने के लिए बुलाया था। इसी बीच किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। दोनों में जमकर झूमाझटकी हुई। इस दौरान युवती सीढ़ियों पर गिरकर बेहोश हो गई। उसे मरा हुआ समझकर होने वाले पति ने तालाब में फेंक दिया।

घटना नंदिनी थाना क्षेत्र के मेडेसरा गांव की है। जानकारी के मुताबिक वारदात 9 जुलाई की रात की है। 19 साल की तेजश्वनी जोशी की शादी बीरेभाट के रहने वाले हुमन जोशी (24 वर्ष) के साथ तय हुई थी। 12 जुलाई को दोनों की शादी होनी थी। इससे पहले ही तेजश्वनी की जान चली गई और होने वाला पति कत्ल के आरोप में गिरफ्तार हो गया।

10 जुलाई को मिली थी तेजश्वनी की लाश: मेडेसरा गांव के ही तालाब में 11 जुलाई को तेजश्वनी की लाश मिली थी। तब आशंका जताई जा रही थी शायद वह शादी से खुश नहीं थी इसलिए तालाब में कूदकर उसने आत्महत्या की होगी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया और जांच शुरू कर दी।

जिस दिन लाश मिली, उसी दिन जानी थी भाई की बारात: मेडेसरा निवासी राजेश जोशी अपनी दो बेटियों तेजश्वनी, उसकी बड़ी बहन और भाई गजपाल की शादी एक साथ करने वाले थे। जिस दिन उसकी लाश मिली उसी दिन भाई की बारात जाने वाली थी। लेकिन तेजश्वनी की लाश मिलने के बाद सारी रस्में रोक दी गईं।

9 जुलाई को था हल्दी का कार्यक्रम: तेजश्वनी के चाचा टोमन लाल जोशी ने बताया कि, 9 जुलाई को तेजश्वनी के भाई गजपाल की हल्दी का कार्यक्रम था। रात में उसने भाई-बहन के साथ हल्दी लगवाई। संगीत का कार्यक्रम हुआ। खाना खाने के बाद अचानक वह घर से बाहर चली गई। सुबह उसकी लाश तालाब में मिली थी। तेजश्वनी और उसकी बड़ी बहन की बारात 12 जुलाई को आनी थी।

मोबाइल लोकेशन से मिला सुराग: पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तो तालाब के पास तेजश्वनी के साथ उसके होने वाले पति हुमन जोशी का मोबाइल लोकेशन भी ट्रेस हुआ। इसके साथ ही हुमन का ही लास्ट कॉल तेजश्वनी के मोबाइल पर शो कर रहा था। इस अहम सुराग के मिलने के बाद पुलिस ने फौरन हुमन को हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने रिक्रिएट कराया क्राइम सीन: आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि 9 जुलाई की देर रात दोनों तालाब के किनारे मिले थे। वहां दोनों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान तेजश्वनी तालाब की सीढ़ियों पर गिर गई और बेहोश हो गई। हुमन को लगा कि वह मर गई गई है। इसलिए डर के मारे उसने तेजश्वनी और मोबाइल को तालाब में फेंका और भाग निकला।

हुमन जोशी ने कबूल किया अपना जुर्म

दुर्ग सिटी एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट के निशान मिले थे। लिहाजा पुलिस ने हत्या के एंगल पर ही जांच शुरू की। कॉल डिटेल और लोकेशन के आधार पर सबसे बड़ा सस्पेक्ट हुमन जोशी था। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने हत्या करने की बात स्वीकार की। पुलिस तालाब से मोबाइल रिकवर करने में जुटी है।

आरोपी बोला- हम दोनों शादी नहीं करना चाहते थे

पूछताछ में पुलिस को आरोपी ने बताया कि आए दिन दोनों के बीच लड़ाई-झगड़े होते थे, इसलिए दोनों शादी नहीं करना चाहते थे। सामाजिक दबाव के कारण शादी कर रहे थे। इसी को लेकर दोनों में 9 जुलाई की रात लड़ाई हुई और हुमन ने वारदात को अंजाम दिया।

एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह में रिक्त सिटों की पूर्ती हेतु प्रवेश चयन परीक्षा 10 अगस्त को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श संयुक्त आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह विकास खण्ड खड़गवां के लिए सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम हेतु 7वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं तथा 11वीं में रिक्त सीटों की पूर्ति प्रवेश चयन परीक्षा के माध्यम से की जानी है। परीक्षा के लिए आवेदन करते हेतु छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा घोषित जनजातिय, वर्ग समुदाय के छात्र एवं छात्राएं ही पात्र होंगे। कक्षावार सीटों की जानकारी इस प्रकार है। कक्षा 7 वीं के लिए बालक 01, कक्षा 8 वीं के लिए बालक 01, कक्षा 9 वीं के लिए बालिका 01, कक्षा 10 वीं के लिए बालक 05, बालिका 02 तथा कक्षा 11 वीं के लिए बालक 02 तथा बालिका 03 को मिलाकर कुल 15 सीट रिक्त है।

नियम एवं शर्तें-रिक्त सीटों की संख्या आवश्यकतानुसार घटाई बढ़ाई जा सकती है। विद्यार्थी को पूर्ववर्ती कक्षाओं में 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त न हो। विद्यार्थी कक्षा 10 वीं सी.बी.एस.ई. बोर्ड पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण बालक एवं बालिका दोनों ही पात्र होंगे। कक्षा 11वीं में सीबीएसई बोर्ड पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण सिर्फ बालक, बालिका ही पात्र होंगे । कक्षा 11वीं में प्रवेश पिछली उत्तीर्ण कक्षा के प्राप्तांक के मेरिट सूची के आधार पर की जायेगी। रिक्त सीटों में प्रवेश हेतु आरक्षण एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के नियमावली एवं प्रवेश नीति 2024-25 में निहित प्रावधान अनुसार होगा। आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में भरकर 05 अगस्त 2024 तक एकलव्य आदर्श संयुक्त आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह विकास खण्ड खडगवां में आफलाईन जमा कर पावती प्राप्त कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु एकलव्य आदर्श संयुक्त आवासीय विद्यालय पोड़ीड़ीह खडगवां में कार्यालयीन समय पर संपर्क कर या सूचना पटल का अवलोकन कर सकते है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में नियमानुसार मिलने वाली सभी सुविधाओं की पात्रता प्रवेशित छात्र एवं छात्राओं को होगी। विद्यार्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से की जायेगी। प्रवेश परीक्षा में 60 प्रतिशत व उससे अधिक प्राप्तांक प्राप्त करने वाले छात्रों का चयन मेरिट के वरियताक्रम के आधार पर किया जायेगा। प्रवेश परीक्षा 10 अगस्त 2024 को 11:00 बजे से 2:00 बजे के मध्य परीक्षा केंद्र एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह में सम्पन्न कराई जायेगी। प्रवेश परीक्षा ऑफलाइन मोड में आयोजित होगा। परीक्षा की अवधि 2 घंटे की होगी। प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र पूर्व कक्षा के पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ एवं वर्णनात्मक प्रश्न 5 खण्डों में विभाजित होंगे। गणित 30 अंक, विज्ञान 30 अंक, अंग्रेजी 10 अंक, हिन्दी 10 अंक, सामाजिक विज्ञान 20 अंक कुल 100 अंक का होगा। प्रवेश पत्र परीक्षा से 1 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर उपलब्ध करायी जायेगी। परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर परिचय पत्र (आधार कार्ड) लाना अनिवार्य है। कक्षा 7वीं व 8 वीं में प्रवेश हेतु विद्यार्थी की न्यूनतम आयु 01 अप्रैल 2024 की स्थिति में 11 वर्ष से 14 वर्ष के मध्य होना चाहिए। 9वीं व 10वी के लिए 12 वर्ष से 15 वर्ष के मध्य होना चाहिए तथा कक्षा 11 वीं के लिए अधिकतम आयु 18 वर्ष होना चाहिए।

जवानों ने मां-नवजात को उफनती नदी पार कराई

जगदलपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के नक्सल इलाके में तैनात छ्त्रराजस्थान पत्रिकापरिवार के जवान महिला और उसके नवजात बच्चे के लिए देवदूत बन गए। जवानों ने समय से पहले जन्मे बच्चे और उसकी मां को ड्रम और प्लाई के सहारे उफनती नदी पार करवाई, फिर दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। समय रहते इलाज मिलने से जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित हैं।

मामला जिले के उसूर ब्लॉक के नंबी गांव का है। इस गांव की माड़वी जागी प्रसव पीड़ा से तड़प रही थी। धीरे-धीरे दर्द बढ़ता जा रहा था। मुश्किल ये थी कि अस्पताल कैसे ले जाया जाए। क्योंकि बारिश की वजह से नदी उफान पर थी। इसी बीच माड़वी की समय से पहले ही डिलीवरी हो गई।

बच्चे को जन्म देने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी थी। नदी उफान पर थी, इसलिए परिजन अस्पताल नहीं ले जा पा रहे थे।

जानकारी मिली तो जवान पहुंचे इस बात की खबर छ्त्रराजस्थान पत्रिकापरिवार-196 और

हॉस्टल में जूनियर को 180 डंडे मारे

बुक कवर नहीं देने-कपड़े साफ करवाने सीनियर्स ने पीटा, डर से घर भागे 15 छात्र

मीडिया ऑडीटर, कांकेर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में दुर्गूकोंदल के प्री-मैट्रिक हॉस्टल में सीनियर छात्रों ने 15 जूनियर छात्रों की डंडे से पिटाई कर दी। सीनियर छात्रों ने बुक का कवर नहीं देने पर एक बच्चे को करीब 180 डंडे मारे। डर से करीब बच्चे वॉर्डन को बिना बताए घर भाग गए। परिजनों के हॉस्टल पहुंचने पर मामले का खुलासा हुआ। पूरा मामला दुर्गूकोंदल के प्री-मैट्रिक छात्रावास का है, जहां बीते शुक्रवार और शनिवार की रात हॉस्टल के कुछ सीनियर छात्रों ने बुक कवर नहीं देने, अपने कपड़े साफ कराने और पहले मच्छरदानी लगाने के नाम पर जूनियर्स को पीट दिया। घटना के दौरान हॉस्टल वॉर्डन और चपरासी भी हॉस्टल में मौजूद थे, लेकिन उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी।

कवर नहीं देने पर, दूसरे कमरे में लेजाकर 180 डंडे मारे: कक्षा 8वीं के छात्र ने बताया कि उसने बुक कवर खरीदा है, जिसे सीनियर छात्र मांग रहा था। कवर देने से मना किया तो सीनियर ने उसे 180 बार डंडे से मारे। वहीं एक अन्य छात्र ने बताया कि उसने अपने दोस्त के साथ पैसे मिलाकर कवर लिया है, जिसे सीनियर छात्र को देने से मना किया तो किसी 180 तो किसी को 40 बार डंडे से मारा है।

किसी को नहीं बताने की दी धमकी: छात्रों ने बताया कि मारपीट को लेकर हॉस्टल वॉर्डन या किसी को बताने पर सीनियर छात्रों ने और मारने की धमकी दी। जिसके डर से छात्र किसी को बिना बताए घर चले गए और परिजनों को पिटाई की बात बताई।

परिजनों के आने पर जानकारी हुई: छात्रावास अधीक्षक सतीश जुर्री ने बताया कि घटना को लेकर बच्चों ने कोई जानकारी नहीं दी। दो बच्चों के पालक छात्रावास पहुंचे, तब मारपीट की घटना की जानकारी हुई। शनिवार को मारपीट करने की बात बच्चों ने बताई है। कोई भी बच्चा समय पर शिकायत करता तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती।

15 छात्रों को अलग-अलग ले जाकर पीटा: हॉस्टल के एक सीनियर छात्र ने बताया कि करीब 15 छात्रों को अलग-अलग बुलाकर डंडे से मारा है। किसी को 5 तो किसी को 10, वहीं किसी को 15 तो किसी को 2 बार डंडे से मारपीट की है।

हॉस्टल वार्डन पर कार्रवाई की मांग: पीड़ित छात्र के परिजन ने कहा हमारे बच्चे भाग कर घर नहीं आते तो मारपीट की घटना सामने नहीं आती। मेरे बच्चे को सीनियर छात्र ने 50 बार डंडे से पीटा है। हम अधीक्षक के भरोसे बच्चे को छात्रावास में रखे हैं। अधीक्षक के छात्रावास में रहते 15 बच्चों से मारपीट हुई है। ये बड़ी लापरवाही है। घटना की जांच होनी चाहिए।

अधीक्षक की लापरवाही से हुई घटना: एक और पीड़ित छात्र के परिजन ने कहा कि अधीक्षक की लापरवाही से यह घटना हुई है। मारपीट की घटना को अधीक्षक ने 4 दिन तक छिपाकर रखा। मेरा भतीजा भागकर घर नहीं आता तो दोबारा मारपीट होती। अधीक्षक के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

हॉस्टलों में लगातार सामने आ रही लापरवाही: जिले के हॉस्टलों में लगातार लापरवाही सामने आ रही है। बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बीते दिनों कांकेर के एक हॉस्टल में नाबालिग छात्रा के गर्भवती होने के मामला सामने आया था। अब छात्रों से मारपीट की घटना सामने आई है।

जनदर्शन में समस्याओं के समाधान के लिए कलेक्ट्रेट पहुंच रहे आम नागरिक

आज कलेक्टर जनदर्शन में 20 आवेदन हुए प्राप्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीणजन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

जनदर्शन में आज कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए। आज के जनदर्शन में आवेदक परम कुमार निवासी आमाडाड़ ने आमाडाड़ के कोतवार द्वारा शासकीय भूमि का पट्टा बनवाकर बेचने के संबंध में शिकायत की। साथ ही प्रीतम रजक निवासी चनवारीडाड ने प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में, कलावती निवासी पाराडोल सहायता राशि न प्राप्त होने के सम्बन्ध में, फुलमत निवासी लाई ने भूमि के संबंध में, उर्मिला नामदेव निवासी शिविल लाइन मनेन्द्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेन्द्रगढ़ में बिना प्रशिक्षण अभ्यर्थियों द्वारा चिकित्सक कार्य करवाने के संबंध में, रामकुमार साहू निवासी लालपुर भूमि के संबंध में, रमेशराम निवासी बैरागी भूमि खसरा नंबर 100/2 में सभी का नाम जोड़े जाने के संबंध में, राजाराम निवासी बरकेला फौती नामांतरण के संबंध में, अंगद सिंह निवासी खैरवना फौती नामांतरण के संबंध में, अमानसिंह निवासी बिहारपुर ने मुआवजा राशि प्रदाय किये जाने के संबंध में, उपकार केशरवानी निवासी एम.आई.इराकी के सभी तरह के रिटायरमेंट फंड रोके जाने के संबंध में, कौशिल्या निवासी तेन्दुडाड भूमि सम्बंधित दस्तावेजों के नकल प्राप्त करने के संबंध में, सोभई निवासी बहरासी भूमि के संबंध में, कामिल लकड़ा निवासी केवटी ने काबिज वन भूमि को जबरन अतिक्रमण के संबंध में, मुनीर अहमद निवासी झगराखाण्ड ने पासपोर्ट बनवाने के संबंध में, मुरलीधर सोनी निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि के संबंध में, गेंदलाल बैगा निवासी जनकपुर ने अवैध कार्यो की जांच कर कार्यवाही करने के संबंध में, परमकुमार आमाडांड दिए गए आवेदन पर कोई कार्यवाही न किये जाने के संबंध में, मीना जायसवाल निवासी मनेन्द्रगढ़ ने शासकीय उचित मूल्य की दूकान वार्ड नं. 07 एवं 14 आई.डी क्र. 531002010 के संचालन के संबंध में, महरू निशा निवासी मनेन्द्रगढ़ भूमि के संबंध में शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

जांच की मांग पोडी लाट तालाब सौंदर्यीकरण के कार्य में भष्ट्राचार का आरोप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। ग्राम पंचायत पोडी में बाजार के पास मौजूद प्राचीन लाट तालाब के सौंदर्यीकरण का काम कराया है. जिला प्रशासन ने अज़ पिज़्वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण मद से इसके लिए राशि स्वीकृत की थी। इस तालाब में करवाए गए कामों को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि तालाब सौंदर्यकरण के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ है ग्रामीणों का कहना है कि कांग्रेस शासन काल में पास हुए काम को कांग्रेसी नेता के द्वारा कराया गया है वही कांग्रेसी नेता 10 लाख रुपए खर्च करने की बात कह रहा हैं इसके बाद भी तालाब की हालत जस की तस है इस तालाब में नाई पारा, बडका पारा बाजार पारा के लोग साल भर धार्मिक कार्यक्रमों में इस तालाब में आना जाना रहता है तालाब के पास ही संतीमाता मंदिर है।

जिस वजह से माताओं बहनों का भी आना जाना रहता है धर्मिक स्थल होने की वजह से इस तालाब की सौदर्यकरण के लिए10 लाख की मंजूरी मिली थी की लोगों को सुविधा मिल सकें लेकिन सुविधा तो दूर तक नहीं दिखाई पड रहा है वही सौंदर्यीकरण के नाम पर अघोषित ठेकेदार व जनपद जनप्रतिनिधि ने अपने पद का दुरूपयोग कर भष्ट्राचार को अंजाम दिया है जिसकी शिकायत क्षेत्रीय विधायक सहित कलेक्टर से की गई है और जांच की मांग की गई है जांच उपरांत दोषी पाए जाने पर संबंधित एसडीओ, इंजीनियर सहित ठेकेदार के ऊपर कठोर कार्यवाही करते हुए शासन के पैसा को वसूल किया जाए

तालाब में घाट और लाइटिंग का काम किया जाना है: ग्राम पंचायत पोडी के लाट तालाब की सफाई की ओर ध्यान नहीं दिया है ग्राम सभा में पंचायत के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार लाट तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 5 लाख रुपए का भुगतान किया गया है, और यह भी बताया कि अभी बचे हुए पैसे से तालाब में घाट और लाइटिंग का काम किया जाना है लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि जितनी राशि आहरण हुई है उतना काम भी नहीं हुआ है सिर्फ तालाब के मेड पर तार का बाऊर्टी कर रंगरोगन कर अघोषित ठेकेदार के द्वारा इंजीनियर एसडीओ से मिलीभगत कर 5 लाख की राशि आहरण कर ली है गौर करने वाली बात यह है कि जून 2023 में शुरू हुआ निर्माण जून 2024 तक पूर्ण नहीं हो पाया है और अब होगा भी कैसे, सामने बरिश का मौसम।

जिले में अब तक 224.48 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 01 जून से 23 जुलाई तक 224.48 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 305.2 मिमी मनेन्द्रगढ़ तहसील में तथा न्यूनतम 118.7 मिमी कोटाडोल तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील खड़गवां में 265.5 मिमी, तहसील चिरमिरी में 254.1 मिमी, तहसील केल्हारी में 236.2 मिमी, तहसील भरतपुर में 167.2 मिमी तथा तहसील कोटाडोल में 118.7 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

डंडे से पीट-पीटकर छोटे भाई की हत्या

शराब के नशे में था मृतक, 5 महीने से फरार आरोपी रायपुर से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। जांजगीर-चांपा जिले में छोटे भाई की हत्या कर 5 महीने से फरार चल रहे बड़े भाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 3 मार्च को आरोपी ने अपने छोटे भाई की डंडे से पीट पीटकर हत्या कर दी थी।आरोपी को रायपुर जिले के उरला से पकड़ा गया है। घटना चांपा थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनी की है।

जानकारी के अनुसार, 3 मार्च की रात करीब 8 बजे आरोपी बड़ा भाई सुरेश बरेठ काम करके घर आया था और खाना खा रहा था। उसी समय छोटा भाई संतोष बरेठ शराब के नशे में धुत होकर घर आया और सुरेश को खाना खाता देखा उसके थाली को लात मार दी, जिससे खाना बिखर गया। इसके बाद दोनों भाई आपस में लड़ने लगे।

बेड में सुलाकर दूसरे के घर चला गया था आरोपी: मां संतोषी बाई बरेठ ने बताया कि दोनों बेटे में लड़ाई होता देख वो बाहर मदद के लिए गई, मगर कोई मदद नहीं मिलने पर वापस आई तो देखा कि सुरेश के हाथो में डंडा था। अपने छोटे भाई को डंडे से मारपीट की है उसके सिर और शरीर में चोट के निशान थे। इसके बाद छोटे भाई के बेहोश होने के बाद उसे बेड में सुलाकर आरोपी रात में दूसरे के घर सोने चला गया।

सो कर नहीं उठने पर मौत का हुआ खुलासा: वहीं जब सुरेश सुबह आया तो देखा कि मारपीट के डंडे से चोट लगने से संतोष बरेठ की मौत हो गई, जिसे देख वह पुलिस से बचने भाग गया। 4 मार्च की शाम को 5 बजे तक संतोष सो कर नहीं उठा तब जाकर देखी तो वह मृत अवस्था में बेड पर पड़ा हुआ था।

पीएम रिपोर्ट के मौत का खुलासा: पीएम रिपोर्ट में सिर में गंभीर चोट आने से मौत होने की पुष्टि होने पर चांपा थाने में धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी सुरेश की पता तलाश की जा रही थी। घटना दिनांक से फरार चल रहा था। 5 माह बाद सूचना मिली कि रायपुर उरला में सुरेश कुमार बरेठ छिपा हुआ है।

रायपुर से गिरफ्तार हुआ आरोपी: पुलिस टीम रायपुर उरला पहुंची और सुरेश को पुलिस हिरासत में लेकर जांजगीर चांपा जिला पहुंची। घटना के संबंध में पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया और एक जंगली लकड़ी का डंडा बरामद किया गया है। आरोपी सुरेश कुमार बरेठ (43) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

चिरमिरी थाना प्रभारी विवेक पाटले ने किया पदभार ग्रहण

अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने की कही बात

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। नगर में नवागत थाना प्रभारी विवेक पाटले ने विगत दिनों चिरमिरी थाने का पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर दैनिक अजय उजाला के संवाददाता ने थाना प्रभारी चिरमिरी विवेक पाटले से चर्चा की तो उन्हौने बताया कि नगर व क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने को प्राथमिकता देगें। साथ ही शांती व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुरे प्रयास किये जाएगे। चिरमिरी क्षेत्र में अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा समय-समय पर चौक चौराहा में पेट्रोलिंग की जाएगी साथ ही अपराधी गतिविधियों में शामिल लोगों के विरोध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अपील की साइबर क्राइम से बच कर रहे किसी भी प्रकार के लॉटरी या लोभ लोभावन के चक्कर में ना पड़े, मोटरसाइकिल में तीन सवारी ना चलाएं हेलमेट का हमेशा उपयोग करें और किसी भी प्रकार के संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तत्काल पुलिस को दें ताकि चिरमिरी स्वच्छ और सुंदर बने रहे।

प.बंगाल के साउथ 24 परगना में सुरंग मिली

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले के एक घर में पुलिस को एक सुरंग मिली थी। यह सुरंग बांग्लादेश की बॉर्डर के करीब है। इसे लेकर गवर्नर आनंद बोस ने ममता सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठाए हैं। गवर्नर ने कहा है कि बॉर्डर के पास के घर में सुरंग निकलना देश के लिए खतरा है। ममता बनर्जी सरकार को मजबूत और निष्पक्ष कानून व्यवस्था बनाने की जरूरत है। दरअसल, 15 जुलाई को पुलिस ने सद्दाम नाम के शख्स के घर पर छापा मारा था। सद्दाम नकली सोने के मूर्ति का डीलर है। उसके घर पर मिली 40 मीटर लंबी सुरंग नहर की ओर निकलती है। इस नहर से नाव के सहारे मतला नदी तक पहुंचा जा सकता है, जहां से बांग्लादेश सीमा को पार किया जा सकता है। पुलिस का मानना है कि सद्दाम ने सुरंग का इस्तेमाल छापेमारी के दौरान भागने के लिए भी किया था। पुलिस को सोशल मीडिया पर नकली सोने की मूर्तियों से जुड़ी धोखाधड़ी और खरीदी गई वस्तुओं की डिलीवरी न होने की कई शिकायतें मिली थीं। इस पर पुलिस छापेमारी के लिए पहुंची। लेकिन पुलिस सद्दाम समर्थकों से पत्थरबाजी और विरोध का सामना करना पड़ा। जिसके बाद पुलिस लौट आई और उसी दिन शाम को फिर छापेमारी कर सुरंग का पता लगाया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नीट परीक्षा दोबारा नहीं होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट की परीक्षा दोबारा नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने 23 जुलाई, मंगलवार को पांचवीं सुनवाई में यह आदेश दिया। सीजेआई ने कहा, पूरी परीक्षा में गड़बड़ी होने के पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा, अगर जांच के दौरान कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसी स्थिति में उसे एडमिशन नहीं मिलेगा। अदालत ने नीट से जुड़ी 40 याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर ली और अंतिम फैसला सुरक्षित रख लिया है। फैसला कब सुनाएगी, यह नहीं बताया है। नीट की काउंसलिंग 24 जुलाई से शुरू हो रही है। सीजेआई ने कहा- हम पेपर लीक के ठोस सबूत के बिना रीएग्जाम का फैसला नहीं दे सकते हैं। हो सकता है कि सीबीआई जांच के बाद पूरी तस्वीर ही बदल जाए, लेकिन आज हम किसी हालत में यह नहीं कह सकते कि पेपर लीक पटना और हजारीबाग तक सीमित नहीं है। ग्रेस मार्क्स वाले 1563 स्टूडेंट्स के लिए दोबारा एग्जाम हो गया है। अब भी किसी की कोई शिकायत है तो वह अपने राज्य के हाईकोर्ट में अपील कर सकता है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एनकाउंटर, 1 जवान घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी के पास बट्टाल सेक्टर में मंगलवार (23 जुलाई) सुबह करीब 3 बजे आर्मी-आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। सेना की ओर बताया गया कि कुछ आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे, जिसे नाकाम कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, पुंछ के कृष्ण घाटी बेल्ट से कुछ आतंकी बट्टाल में घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सेना के जवानों को आतंकियों के मूवमेंट की सूचना मिल गई थी। सेना ने तुरंत एक्शन लेते हुए उन्हें रोका।

हालांकि, आतंकियों के घायल होने या मारे जाने की सूचना अभी नहीं मिली है। गोलीबारी में घायल हुए जवान को अस्पताल पहुंचाया गया है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। आतंकियों को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जम्मू में यह 24 घंटे में दूसरा हमला है। इससे पहले सोमवार को सुबह करीब 3 बजे राजौरी के घोंधा में आतंकियों ने शौर्य चक्र विजेता परशोत्तम कुमार के घर पर हमला किया था। जवाबी कार्रवाई में आर्मी ने एक आतंकी को मार गिराया था। इस हमले में एक जवान और परशोत्तम के चाचा घायल हुए थे। यहां आज दूसरे दिन भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

इथियोपिया में भूस्खलन ने मचाई भारी तबाही, बच्चों समेत कम से कम 157 लोगों की हुई मौत

अदीस अबाबा (एजेंसी)। इथियोपिया के एक दूरस्थ क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 157 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी है। स्थानीय प्रशासक दागमावी आयेले ने बताया कि दक्षिणी इथियोपिया के केंचो शाचा गोजदी जिले में मिट्टी धंसने की घटना में मारे गए लोगों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। गोफा जोन के संचार कार्यालय के प्रमुख कासाहुन अबेयनेह ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 157 हो गई। सोमवार रात तक 55 लोगों की मौत की सूचना थी।

जीवित निकाले गए पांच लोग: गोफा जोन वह प्रशासनिक इलाका है जहां भूस्खलन हुआ है। ज्यादातर लोग सोमवार सुबह हुए भूस्खलन में दब गए। उस समय बचावकर्मी एक दिन पहले हुए एक अन्य भूस्खलन के बाद पीड़ितों की तलाश कर रहे थे। आयेले ने बताया कि मलबे से पांच लोगों को जीवित निकाला गया है।

ये है बच्चों का हाल: गोफा में एक अन्य अधिकारी मार्कोस मेलीसे ने बताया कि अन्य लोगों को बचाने की कोशिश करते वक्त भूस्खलन की चपेट में आए लोगों में से कई लापता हैं। गोफा जोन में आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी के निदेशक मेलीसे ने बताया, ''हम अब भी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया, ''कई बच्चे हैं जो हादसे में अपनी मां, पिता, भाई और बहन समेत पूरे परिवार को खो चुके हैं तथा लाशों से लिपट कर रो रहे हैं।'' इथियोपिया में जुलाई में शुरू होने वाले बारिश के मौसम में भूस्खलन होना आम है। बारिश का यह मौसम सितंबर मध्य तक जारी रहने की संभावना है।

बाढ़ और भूस्खलन का कहर: संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय के अनुसार दक्षिणी इथोपिया देश के उन क्षेत्रों में से है जो हाल के महीनों में विशेष रूप से भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इससे पहले मई 2016 में देश के दक्षिणी हिस्से में भारी बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम 50 लोग मारे गए थे।

पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने बजट को बताया निराशाजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने केंद्रीय बजट को निराशाजनक करार देते हुए सोमवार को कहा कि महंगाई एवं बेरोजगारी को लेकर कुछ ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं तथा आम लोगों को कोई राहत नहीं दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि दो तरह की कर प्रणाली सही विचार नहीं है और इसे स्वीकारा नहीं जा सकता।

चिदंबरम ने कहा, इस सरकार का पहला बजट बहुत निराशाजनक है। उन्होंने दावा किया कि बेरोजगारी के मोर्चे पर सरकार ने कोई प्रभावशाली कदम नहीं उठाए हैं। उनका कहना था, यह दावा कि वित्त मंत्री द्वारा घोषित योजनाओं से 2.90 करोड़ लोगों को लाभ होगा, अत्यधिक

अतिशयोक्तिपूर्ण है। चिदंबरम ने कहा, महंगाई दूसरी बड़ी चुनौती है. डब्ल्यूपीआई (थोक मूल्य सूचकांक) मुद्रास्फीति 3.4 प्रतिशत, सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) मुद्रास्फीति 5.1 प्रतिशत और खाद्य मुद्रास्फीति 9.4 प्रतिशत है। उन्होंने दावा किया, आर्थिक सर्वेक्षण ने चंद वाक्यों में महंगाई के मुद्दे को खारिज कर दिया। वित्त मंत्री ने अपने भाषण के पैरा तीन में 10 शब्दों में इसे खारिज कर दिया। हम सरकार के लापरवाह रवैये की निंदा करते हैं। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि बजट भाषण कहीं भी यह विश्वास नहीं दिलाता कि सरकार मुद्रास्फीति के मुद्दे से गंभीरता से निपटेगी। उन्होंने कहा, शिक्षा से संबंधित मुद्दा नीट और घोटालों से ग्रस्त राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी है। कई राज्यों ने मांग की है कि नीट को खत्म कर दिया जाना चाहिए और राज्यों को चिकित्सा शिक्षा में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए उम्मीदवारों के चयन के अपने तरीके अपनाने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए। इस पर कोई जबाव नहीं आया।

अमित शाह बोले- रोजगार और अवसरों के एक नए युग की शुरुआत करेगा ये बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से मंगलवार को संसद में पेश किए गए 2024-25 के आम बजट को दूरदर्शी, जनहितैषी और विकासोन्मुखी करार दिया। उन्होंने कहा कि यह रोजगार तथा अवसरों के एक नए युग की शुरुआत करके देश को एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभरने की राह पर ले जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि बजट भारत की उद्यमशीलता को बढ़ाने और व्यापार करने में सुगमता के साथ आर्थिक विकास को दिशा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दृढ़ प्रतिबद्धता% को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बजट में कर आकलन नियमों को सरल बनाकर करदाताओं को राहत दी गई है। शाह ने कहा कि यह न केवल भारत के उद्देश्य, उम्मीद और आशावाद की नई भावना का उदाहरण प्रस्तुत करता है, बल्कि उन्हें मजबूत भी करता है।

किसानों को जमीनी स्तर पर कोई फायदा नहीं होगा, केंद्रीय बजट पर राकेश टिकैत ने जाहिर की नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को संसद में केंद्रीय बजट 2024 पेश किए जाने के बाद किसान नेता राकेश टिकैत ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बजट से किसानों को जमीनी स्तर पर कोई फायदा नहीं होगा। टिकैत ने कहा, उन्हें (केंद्र को) यह बजट कागज पर अच्छा लग सकता है, लेकिन इससे जमीनी स्तर पर किसानों को कोई फायदा नहीं होने वाला है। जो कंपनियां किसानों को जैविक खेती सिखाएंगी, उन्हें इससे फायदा होने वाला है। किसान नेता ने कहा कि अगर सरकार चाहती है कि किसानों को लाभ मिले तो उसे मुफ्त बिजली और पानी उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने कहा, यदि सरकार किसानों को

लाभ पहुंचाना चाहती है तो उसे फसलों की कीमत चुकानी चाहिए, मुफ्त बिजली और पानी उपलब्ध कराना चाहिए, सस्ते उर्वरक उपलब्ध कराने चाहिए और कृषि उपकरणों पर जीएसटी कम करना चाहिए। टिकैत ने यह भी बताया कि दूध उत्पादन में शामिल महिलाएं भूमिहीन हैं। टिकैत ने कहा, उनके लिए कोई प्रावधान नहीं है। दूध की कीमतें भी एक साल में गिर गईं।

उनकी हालत सबसे खराब है। आपने कारखानों में काम करने वाले मजदूरों के लिए क्या किया? आपने स्वास्थ्य के लिए क्या किया? क्या ग्रामीण स्वास्थ्य के लिए कोई योजना है? प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की सरकार की योजना पर टिकैत ने कहा, कोई कंपनी या एनजीओ आएगी, पैसा लेगी, किसानों को प्राकृतिक खेती सिखाएगी और उन्हें गोबर की खाद का उपयोग करने के लिए कहेगी। किसान पहले से ही ऐसा कर रहे हैं।

बजट को लेकर खुशी से झूमे सीएम चंद्रबाबू नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट 2024 पेश कर दिया गया है, जिसमें मोदी सरकार ने आंध्र प्रदेश और बिहार को स्पेशल पैकेज की सौगात दी है। राज्य को स्पेशल पैकेज की सौगात मिलने के बाद सीएम चंद्रबाबू नायडू ने खुशी जाहिर की और उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शुभकामनाएं दी है। सीएम ने एक्स पर लिखा- आंध्र प्रदेश के लोगों की ओर से मैं पीएम मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को हमारे राज्य की जरूरतों को पहचानने और वित्त वर्ष 24-25 के केंद्रीय बजट में राजधानी, पोलावरम, औद्योगिक नोड्स और आंध्र प्रदेश में पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्हें शुक्रिया कहता हूं।

राहुल गांधी को नहीं आया पसंद बजट कहा- यह कुर्सी बचाओ बजट है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट पेश किया। पीएम मोदी ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह हर वर्ग को शक्ति देने वाला बजट है।

इसी बीच लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए इसे कुर्सी बचाओ बजट बताया है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बजट को सहयोगियों को खुश करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि ये बजट अपने मित्रों को खुश करने के लिए लाया गया

है। इससे, (अडानी अंबानी) को लाभ होगा और आम भारतीय को कोई राहत नहीं मिलेगी। कांग्रेस नेता ने इस बजट को कॉपी पेस्ट करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि बजट कांग्रेस के घोषणा पत्र और पिछले बजट से कॉपी किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की तरक्की वाला नहीं, बल्कि 'मोदी सरकार बचाओ% बजट पेश किया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि यह 'नकलची बजट% है जिसमें सरकार कांग्रेस के 'न्याय% के एजेंडे की ठीक तरह से नकल नहीं कर पाई है। खरगे ने 'एक्स% पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का नकलची बजट ! मोदी सरकार का बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी रेवड़ियां बांट रहा है, ताकि राजग बची रहे।

अखिलेश यादव बोले- सरकार बचाने के लिए बिहार और आंध्र प्रदेश को दी गईं विशेष योजनाएं

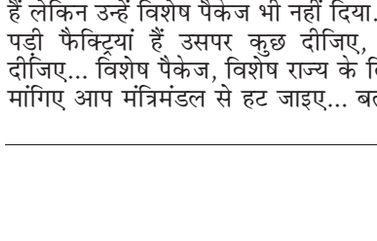

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में बजट 2024 पेश कर दिया है, जिसे लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाएं देने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। बता दें बजट में आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ और बिहार को मेडिकल और एयरपोर्ट के लिए 26 हजार करोड़ की सौगात दी गई। सपा मुखिया ने कहा- अगर हम उत्तर प्रदेश को देखें तो निवेश की स्थिति क्या है? इनके जो प्रोजेक्ट चल रहे हैं वह कभी समय पर पूरे नहीं हुए। सरकार बचाने के लिए दोनों राज्यों को विशेष योजनाओं का लाभ दिया गया है। अच्छी बात है कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है लेकिन उत्तर प्रदेश जैसा राज्य जो प्रधानमंत्री देता है क्या वहां के किसानों के लिए बजट में कुछ है?

पीएम मोदी ने की बजट की सराहना, कहा- देश को समृद्धि की राह पर ले जाने वाला बजट है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में अपना सातवां बजट पेश किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को विकास की नई ऊंचाइ पर ले जाने वाले इस महत्वपूर्ण बजट के लिए देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा, यह बजट समाज के हर वर्ग को शक्ति देने वाला है, यह देश के गांव, गरीब, किसान को समृद्धि की राह पर ले जाने वाला है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। नौजवानों को

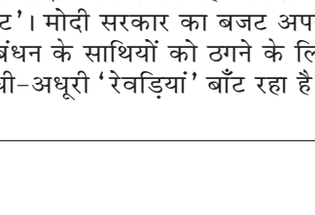

अनगिनत नए अवसर देने वाला बजट है। इस बजट से शिक्षा और स्किल को नई ऊंचाई मिलेगी, यह मध्यम वर्ग को नई ताकत देने वाला बजट है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह जनजातीय समाज, पिछड़ों को सशक्त करने की मजबूत योजना के साथ आया है। इस बजट से महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इस बजट में छोटे व्यापारियों, लघु उद्योगों की प्रगति का नया रास्ता मिलेगा।

बजट में उत्पादन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बल है, इससे आर्थिक विकास को नई गति और निरंतरता मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा, रोजगार और स्वरोजगार के लिए अभूतपूर्व अवसर बढ़ाना हमारी सरकार की पहचान रही है

स्पीकर ओम बिरला की बेटी ने किया दिल्ली हाई कोर्ट का रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने पहले ही प्रयास में यूपीएससी परीक्षा पास कर यूपीएसी अधिकारी बनी लोकसभा स्पीकर की बेटी अंजलि बिरला ने दिल्ली हाई कोर्ट में मानहानि का मामला दायर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर छाई झूठी आरोपों से परेशानी जताई है, जिनमें उनके पिता के प्रभाव का इस्तेमाल करके दावा किया गया कि उन्होंने यूपीएस की परीक्षा में पहले ही प्रयास में पास हो गई थीं। अंजलि ने मानहानि केस में इस बात का जिक्र किया है कि कई सोशल मीडिया पोस्ट ने उनकी छवि को दोषी बताते हुए उनके खिलाफ गलत और झूठे आरोप लगाए हैं। उन्होंने इसे अपमानजनक और अवैध बताया है और कहा कि इन झूठे आरोपों से उनकी प्रतिष्ठा और सम्मान पर नुकसान पहुंचा रहा है। अंजलि बिरला ने यह भी कहा कि इस मामले में जिस प्रकार से वह परेशानी झेल रही हैं

विशेष पैकेज, विशेष राज्य के लिए भीख मत मांगिए, मंत्रिमंडल से हट जाइए पप्पू यादव का जेडीयू पर तंज

पटना (एजेंसी)। केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के संसद में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से इनकार करने को लेकर विपक्ष लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कस रहा है। विपक्ष का कहना है कि अब नीतीश कुमार को अब एनडीए का साथ छोड़ देना चाहिए। इसी बीच बिहार के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पप्पू यादव ने कहा, ..अभी 4 करोड़ नौकरी की बात कर रहे हैं लेकिन 10 साल में आपने कितनी नौकरी दी?... नीतीश कुमार किंगमेकर रहे हैं लेकिन उन्हें विशेष पैकेज भी नहीं दिया... जितनी बंद पड़ी फैक्ट्रियां हैं उसपर कुछ दीजिए, एयरपोर्ट पर दीजिए... विशेष पैकेज, विशेष राज्य के लिए भीख मत मांगिए आप मंत्रिमंडल से हट जाइए... बता दें कि केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में जदयू सांसद रामप्रीत मंडल के सवाल पर कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता। मंत्री पंकज चौधरी ने जदयू की मांग पर जवाब देते हुए कहा कि मौजूदा प्रावधानों में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देना संभव नहीं है। मंत्री ने कहा कि विशेष राज्य के दर्जे के लिए जिन प्रावधानों को पूरा करना होता है वह बिहार में नहीं है। हालांकि, मंगलवार को बजट 2024 में केंद्र सरकार ने बिहार के खजाना खोल दिया है। केंद्र सरकार बिहार में सड़क परियोजनाओं को लिए 26000 हजार करोड़ रुपए आवंदित किए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024-25 के अपने बजट में कहा कि केंद्र सरकार बहुपक्षीय विकास एजेंसियों की सहायता के माध्यम से बिहार को वित्तीय सहायता की व्यवस्था करेगी।

घटकों में रेवड़ी बांटकर कुर्सी बचाने का बजट : खडगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बजट 2024-25 को 'कुर्सी बचाए' रखने के लिए गठबंधन के सहयोगियों की बात मानकर उन्हें खुश करने वाला बजट करार दिया और कहा कि इसमें कांग्रेस के न्याय एजेंडे की नकल का विफल प्रयास किया गया है।

श्री खडगे ने कहा कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का यह 'नकलची बजट'। मोदी सरकार का बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी 'रेवड़ियां' बाँट रहा है, ताकि राजग बची रहे। ये 'देश की तरक्की' का बजट नहीं, 'मोदी सरकार बचाओ' बजट है। श्री गांधी ने कहा यह 'कुर्सी बचाओ' बजट है। सहयोगियों को खुश करें- अन्य राज्यों की कीमत पर उनसे खोखले वादे। अपने मित्रों को खुश करें- एए को लाभ, आम भारतीय को कोई राहत नहीं। कॉपी और पेस्ट करें- कांग्रेस का घोषणापत्र और पिछले बजट। कांग्रेस के लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने बजट को निराशाजनक बताया और कहा कि इसमें सरकार ने कई सामान्य मुद्दों पर भी ध्यान नहीं दिया है। मनरेगा, स्वासथ्य आदि को लेकर बजट में कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने बजट को बेहद निराशाजनक बताया और कहा कि इसमें दशकीय जनसंख्या जनगणना के लिए निधि जारी करने का उल्लेख नहीं है। जनगणना 2021 में होनी थी लेकिन अब तक नहीं की गई है और आज़ादी के बाद यह पहला मौका है जब जनगणना समय पर नहीं हुई है। जनगणना का समय पर न होना राज्य की प्रशासनिक क्षमताओं पर एक बड़ी बाधा है और इसके गंभीर दुष्परिणाम होते हैं। इकसी वजह से वज़ह से 10-12 करोड़ लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के दायरे से बाहर हो जाते हैं।

श्रीलंका दौरे से पहले हार्दिक और सूर्या लगे एक-दूसरे के गले, ऐसा था टीम इंडिया के टी20 कप्तान का रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने हाल ही में आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम की कमान सौंपी है। उन्होंने कप्तानी की रेस में हार्दिक पंड्या को पछाड़ दिया है। हार्दिक टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम के उपकप्तान थे। अटकलें लगने लगीं की हार्दिक और सूर्या के बीच सबकुछ ठीक नहीं। लेकिन श्रीलंका दौरे पर रवाना होने से पहले दोनों ने इस तरह की अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया। हार्दिक ने एयरपोर्ट पर सूर्या को जादू की झप्पी दी, जिसकी एक झलक बीसीसीआई द्वारा शेयर किए वीडियो में दिखी। दोनों की गले मिलने की फुटेज तेजी से वायरल हो रही है। वहीं सूर्यकुमार यादव को टी20 का कप्तान क्यों बनाया इस पर चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा कि, वह योग्य उम्मीदवार था। पिछले एक साल से ज्यादा समय से वह ड्रेसिंग रूप में है और उसके बारे में ड्रेसिंग रूम से फीडबैक मिला है। उसमें क्रिकेट की अच्छी समझ है और वह अभी भी टी20 क्रिकेट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से है। उन्होंने कहा कि, हमें ऐसा कप्तान चाहिए था जो सारे मैच खेले। हमें लगता है कि वह कप्तान बनने का हकदार है और हम देखेंगे कि वह इस भूमिका में कैसे फिट बैठता है। साथ ही अगरकर ने कहा कि हमें ऐसा कप्तान चाहिए था

राहुल द्रविड़ की वापसी? इस चैंपियन टीम से जुड़ सकते हैं टीम इंडिया के पूर्व कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ का टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद कार्यकाल समाप्त हो गया था। वह आगे भी कोच की भूमिका में दिख सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में राहुल द्रविड़ कोच की भूमिका में दिख सकते हैं। वह पहले भी आईपीएल टीमों की कोचिंग सेटअप का हिस्सा रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़े रह चुके हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 51 वर्षीय राहुल द्रविड़ संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम यानी राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच के तौर पर वापसी कर सकते हैं। जल्द ही इसकी घोषणा हो सकती है। टीओआई ने एक सूत्र के हवाले से बताया है कि, राजस्थान रॉयल्स और राहुल द्रविड़ के बीच बातचीत चल रही है। जल्द ही इसे लेकर घोषणा होने वाली है।

राहुल द्रविड़ का राजस्थान रॉयल्स से काफी पुराना रिश्ता है। वह टीम के कप्तान रहने के साथ-साथ मेंटर भी रहे हैं। साल 2013 में द्रविड़ की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स की टीम चैंपियंस लीग टी20 का फाइनल खेली थी। इसके अलावा आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंची थी। इसके बाद 2014 और 2015 में टीम के मेंडर रहे। 2015 में टीम तीसरे नंबर पर रही थी। राहुल द्रविड़ 2016 और 2017 में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर थे। 2015 से द्रविड़ बीसीसीआई से भी जुड़े थे।

भारत के खिलाफ तटस्थ स्थल पर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का कोई प्रस्ताव नहीं-पीसीबी

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उसने भारत के खिलाफ विदेश में टी20 श्रृंखला खेलने का कोई प्रस्ताव नहीं रखा है और उसका ध्यान चैंपियंस ट्रॉफी के सुचारू आयोजन पर है। इस तरह की चर्चाएं हैं कि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों के साथ इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी स्थल पर टी20 श्रृंखला की संभावना पर बात कर रहे हैं। एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा, ''इस तरह का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है क्योंकि अभी हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती चैंपियंस ट्रॉफी को उचित तरीके से आयोजित करना है और हमारा अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम भी काफी व्यस्त है।'' सूत्र ने कहा कि कोलंबो में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बैठक में पीसीबी के दो मुख्य लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बजट को मंजूरी दिलाना और फिर आईसीसी तथा बीसीसीआई से यह आश्वासन प्राप्त करना था कि भारत इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेगा।

सूत्र ने कहा, ''फिलहाल हमारा मुख्य एजेंडा यही है। इसलिए भारत के साथ किसी द्विपक्षीय श्रृंखला पर विचार करने का सवाल ही नहीं उठता।'' भारत ने 2012 से पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला निलंबित कर रखी है। तब पाकिस्तान ने सीमित ओवरों की संक्षिप्त श्रृंखला के लिए भारत का दौरा किया था। 2007 में पाकिस्तान के भारत दौरे के बाद से दोनों देशों ने कोई टेस्ट श्रृंखला भी नहीं खेली है।

क्रिकेट मेरा भगवान है... हरमनप्रीत कौर ने कही अपने दिल की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एशिया कप 2024 में हरमप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम का अजेय सफर जारी है। नेपाल के खिलाफ मैच से पहले हरमनप्रीत कौर ने कहा कि क्रिकेट उनके लिए भगवान से कम नहीं है, क्योंकि इस खेल ने उन्हें सबकुछ दिया है। महिला एशिया कप में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत के साथ पाकिस्तान, नेपाल और यूएई एक ग्रुप में हैं, जबकि श्रीलंका, थाईलैंड, बांग्लादेश और मलेशिया की टीमें ग्रुप-बी में हैं। भारतीय टीम ने पाकिस्तान और यूएई को हराया है और अगर आज नेपाल को हरा देती है। तो सेमीफाइनल का टिकट पक्का हो जाएगा। नेपाल के खिलाफ मैच से पहले हरमनप्रीत कौर ने बताया कि किस तरह से उनकी जिंदगी में क्रिकेट का रोल बहुत बड़ा है।

वहीं स्टार स्पोर्ट्स पर हरमनप्रीत ने कहा कि, क्रिकेट मुझे लगता है ये मेरे लिए सबकुछ है। बिना क्रिकेट के मुझे लगता नहीं है कि मैं कुछ होती भी। क्रिकेट ने मुझे जो नाम दिया है वो किसी और फील्ड में मुझे नहीं मिल सकता था। तो मेरे लिए तो क्रिकेट भगवान है, मैंने जो भी बचपन में सपने देखे, देश के लिए लिए खेलना जो भी वो सब मुझे क्रिकेट ने ही दिया है। हरमन ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार भारतीय टीम की जर्सी पहनी थी, तो वह एक बात को लेकर बहुत ज्यादा कन्फ्यूज हो गई थीं। उन्होंने कहा कि, ऑफ द फील्ड जब मुझे पहली बार इंडियन जर्सी मिली थी, तो मैंने इसे पहनकर एक फोटो क्लिक की थी। मैं सोच रही थी कि ये फोटो किसे पहले भेजूं, अपने मां-बाप को या अपने कोच को। मैं कनफ्यूज्ड थी क्योंकि दोनों ही मेरे लिए बराबर हैं। हरमन की कप्तानी में टीम इंडिया ने काफी आक्रामक होकर खेलना शुरू किया है इसके अलावा ड्रेसिंग रूम का माहौल भी काफी ज्यादा फ्रेंडली नजर आने लगा है। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम जिस तरह से खेल रही है, फिलहाल एशिया कप खिताब जीतने की प्रबल दावेदार नजर आ रही है।

भारत के खिलाफ श्रीलंका के स्क्वॉड का ऐलान, चरिथ असलंका बनें नए टी20 कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चरिथ असालंका भारत के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज में श्रीलंका के कप्तान होंगे। असलंका ने टी20 विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद इस्तीफा देने वाले स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा की जगह ली है। स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा के बाद असालांका को कप्तानी सौंपी गई है। हसरंगा ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में पिछले महीने हुए टी20 विश्व कप में श्रीलंका की कप्तानी की थी। असालांका ने इस साल की शुरूआत में बांग्लादेश दौरे पर भी दो टी20 मैचों में श्रीलंका की कप्तानी की थी जब हसरंगा आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के कारण निलंबन झेल रहे थे। श्रीलंका के पूर्व अंडर 19 कप्तान असालांका ने इस साल एलपीएल में जाफना किंग्स को अपनी कप्तानी में खिताब दिलाया था।

गंभीर,अगरकर ने मीडिया से बात कर दिये सवालों के जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका रवाना होने से पहले टीम के नये मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयनसमिति के प्रमख अजीत अगरकर ने मीडिया से बात की। गंभीर कोच बनने के बाद पहली बार मीडिया के सामने आये। इस दौरान उनसे कई कठिन सवालों का जवाब मांगा गया जैसे हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को क्यों टी20 कप्तानी दी गयी, रुतुराज गायकवाड़ संजू सैमसन व अभिषेक शर्मा को जिम्बाब्वे में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह क्यों नहीं मिली। इसके अलावा भी कई अन्य सवाल दागे गये जिनका गंभीर ओर अगरकर ने जवाब दिया। इस दौरान कोच गंभीर ने खिलाड़ियों से संबंध को लेकर कहा कि हमारा सभी से एक बराबर रिश्ता है। साथ ही कहा कि ये प्रदर्शन के आधार पर तय होता है न कि निजी संबंधों के आधार पर। साथ ही कहा कि हमारा लक्ष्य टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। गंभीर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिये जाने को लेकर कहा कि उनपर काफी बोझ है जिसको कम करना जरुरी है क्योंकि वह तेज गेंदबाज हैं। इसलिए उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए आराम दिय गया है। चयनसमिति के प्रमुख अगरकर ने हार्दिक को लेकर पूछे गये सवाल को लेकर कहा कि उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी इसलिए नहीं दी गयी क्योंकि वह बार बार चोटिल होते रहते हैं। वहीं हम चाहते थे कि कप्तान फिट रहे जिससे वह हर मैच खेल सके। यही कारण है कि सूर्यकुमार को कप्तानी दी गयी। इसके अलावा वह टी20 का नंबर एक बल्लेबाज भी है। सभी चाहते हैं कि कप्तान हर मैच में उपलब्ध रहे। वहीं रुतुराज सहित कुछ खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिलने को लेकर अगरकर ने कहा कि हर किसी को टीम में नहीं ले सकते हैं। 15 खिलाड़ियों की टीम को हम संतुलित करना चाहते थे। ऐसा नहीं है कि जो बाहर है उन्हें फिर अवसर नहीं मिलेगा। साथ ही कहा कि कोई जिम्बाब्वे गया और अच्छे फॉर्म में है तो ये अच्छे संकेत हैं पर अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी पर किसी को तो बाहर रहना ही पड़ता है। रविंद्र जडेजा को एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिलने को कहा कि उन्हें आराम दिया गया है और आने वाले समय में वह टीम में रहेंगे। अगरकर ने शुभमन गिल को श्रीलंका दौरे के लिए टी20 टीम के उपकप्तान बनाए जाने पर कहा कि वह तीनों प्रारुपों का खिलाड़ी है। जिम्बाब्वे दौरे में उसकी नेतृत्व क्षमता भी देखने में आई है।

आईसीसी ने टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईसीसी) ने पिछले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज की सह मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा के लिए सोमवार को तीन सदस्यीय समिति गठित की। समिति में न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर ट्वोज और आईसीसी के अन्य दो निदेशक लॉसन नायडू तथा इमरान ख्वाजा को जगह मिली है। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार ,''आईसीसी बोर्ड पुष्टि करता है कि आईसीसी टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा होगी। तीन निदेशक रोजर ट्वोज, लॉसन नायडू और इमरान ख्वाजा के मार्गदर्शन में यह होगा और ये इसी साल बोर्ड को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।'' समझा जाता है कि आईसीसी को न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा और डलास में मैचों के आयोजन पर दो करोड़ डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है। पता चला है कि टूर्नामेंट के अमेरिकी चरण के लिए आवंटित बजट लगभग 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर था और यह पाया गया कि बजट में काफी इजाफा हुआ जिस पर वैश्विक संस्था के कुछ प्रभावशाली बोर्ड सदस्यों ने आपत्ति जताई। खराब स्तर की 'ड्रॉप इन' पिचों, टिकट प्रणाली और साजो-समान से जुड़े मुद्दों ने आईसीसी की परेशानी और बढ़ा दी। विभिन्न निविदाएं सौंपे जाने को लेकर भी चिंता जताई गई है। समझा जाता है कि समिति आईसीसी के कुछ शीर्ष अधिकारियों की भूमिका की भी गहन जांच करेगी। आईसीसी के प्रतियोगिता प्रमुख क्रिस टेटली ने पहले ही इस्तीफा दे दिया है। हालांकि आधिकारिक कारण यह बताया गया था कि हर साल होने वाले आईसीसी के प्रमुख टूर्नामेंटों (पुरुष और महिला) का असर पड़ रहा है। अमेरिका में क्रिकेट की संचालन संस्था यूएसएसी को औपचारिक तौर पर नोटिस पर रखा गया है और आईसीसी की एसोसिएट सदस्यता पात्रता का अनुपालन करने के लिए 12 महीने का समय दिया गया है। आईसीसी एसोसिएट सदस्यता पात्रता के अनुसार यूएसएसी दो नियमों संचालन (2.2 बी एक) और प्रशासन तथा कार्यकारी ढांचे (2.2 बी दो) पर खरा नहीं उतरता। विज्ञप्ति के अनुसार, ''अमेरिका क्रिकेट और क्रिकेट चिली को औपचारिक रूप से नोटिस दिया गया है और आईसीसी सदस्यता मानदंडों के अपने वर्तमान गैर अनुपालन को सुधारने के लिए उन्हें 12 महीने का समय दिया गया है।'

पिछले कुछ वर्षों में हॉकी के प्रति मनदीप का जुनून बढ़ा है, उनकी बहन भूपिंदरजीत ने कहा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी के फॉरवर्ड मंदीप सिंह भले ही अपने कप्तान हरमनप्रीत सिंह या पूर्व कप्तान मनप्रीत सिंह की तरह ख्याति नहीं हासिल कर पाये हों लेकिन जब वह मैदान पर होते हैं तो प्रतिद्वंद्वी डिफेंडर उन्हें हल्के में लेने की गलती नहीं कर सकते। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे मंदीप (29 वर्ष) पेरिस ओलंपिक में भारत के अभियान में अहम भूमिका निभायेंगे। उनकी बहन भूपिंदरजीत कौर का कहना है कि मंदीप का हॉकी के प्रति जुनून पिछले कुछ साल में बढ़ा है और अगर वह कुछ दिनों के लिए भी राष्ट्रीय शिविर से दूर रहते हैं तो बेचैन हो जाते हैं। कौर ने 'हॉकी पे चर्चा' के एक 'एपिसोड' में कहा, ''वह हॉकी खेलने का इतना क्रेजी था कि स्कूल से घर आता, खाना छोड़ देता और सीधे अभ्यास के लिए चला जाता। जैसे मंदीप बड़ा

हुआ, उसकी खेल के प्रति प्रतिबद्धता और गहरी होती गई।'' उन्होंने कहा, ''अब भी जब मैं ब्रेक के दौरान उससे बात करती हूं तो वह कहता कि घर में उसे मजा आता है लेकिन 15 दिन के बाद उसे शिविर की याद आने लगती है।'' टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में बेल्जियम के खिलाफ मंदीप के प्रदर्शन से प्रतिद्वंद्वी टीम परेशान हो गई थी। लेकिन भारत इसमें हार गया। हालांकि भारत कांस्य पदक के साथ लौटा जिससे हर खिलाड़ी राष्ट्रीय नायक बन गया। लेकिन कौर का कहना है कि मनदीप बस सुर्खियों में नहीं रहना चाहता। उन्होंने कहा, ''वह स्टार कहलाना पसंद नहीं करता, बल्कि साधारण खिलाड़ी के तौर पर रहना पसंद करता है।'' तोक्यो में जर्मनी को हराकर भारत के कांस्य पदक जीतने के बाद घर पर हुए जश्न को याद करते हुए कौर ने कहा कि इसने सभी को गर्व से भर दिया। कौर ने कहा, ''हम सभी इसे टीवी पर देख रहे थे। मंदीप ने आंखों में आंसू भरकर ऊपर देखा। घर पर हर कोई जीत की प्रार्थना कर रहा था। जब हम आखिरकार जीते तो ऐसा लगा कि हमने कुछ बड़ी उपलब्धि हासिल की है। घर का माहौल खुशी और गर्व से भरा था।

फुटबॉल फैंस ने क्रिकेटर्स के साथ की दुर्व्यवहार और मारपीट, स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग की है घटना

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में फुटबॉल फैंस ने क्रिकेटर्स के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट के कारण एक क्रिकेट मैच रद्द कर दिया गया। पुलिस इस घटना की जांच कर रही है। मरेफील्ड डीएएफएस क्रिकेट क्लब ने अपने एक्स हैंडल पर ये जानकारी दी। मरेफील्ड डीएएफएस ने कहा कि शनिवार 20 जुलाई 2024 को रोजबर्न पार्क में स्टीवर्ट के मेलविले क्रिकेट क्लब के खिलाफ मैच के दौरान उनके खिलाड़ियों को लिंगवादी, समलैंगिकता विरोधी और नस्लवादी दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। ये घटना उस समय हुई जब रेंजर्स और मैनचेस्टर यूनाइटेड के फैंस स्टेडियम की ओर बढ़ रहे थे। मरेफील्ड डीएएफएस ने ये भी दावा किया है कि दो क्रिकेट खिलाड़ियों पर हमला किया गया था, लेकिन पुलिस ने कोई हस्तक्षेप नहीं किया। मरेफील्ड डीएएफएस ने इस संबंध में ङ्क पर सिलसिलेवार कई पोस्ट की। क्लब ने एक्स पर लिखा कि, आज मरेफील्ड स्टेडियम के बाहर रोजबर्न पार्क में स्टीवर्ट के मेलविले क्रिकेट क्लब के खिलाफ के कारण हमारी चौथी टीम को अपना खेल छोड़ना पड़ा, इस बात ससे हम बहुत दुखी हैं। एक अन्य पोस्ट में उसने लिखा कि, केवल इतना ही नहीं, खिलाड़ियों

पर शारीरिक हमले के दो मामले भी हुए। उक्त दुर्व्यवहार के अपराधी मरेफील्ड स्टेडियम में एक दोस्ताना मैच खेल रहे फुटबॉल क्लब के फैंस थे और पुलिस 50 गज की दूरी पर तैनात थी। पुलिस अधिकारियों की दो टुकड़ियों ने किसी भी घटना को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया। यही नहीं, खिलाड़ियों की ओर से मदद मांगने पर भी साफ इनकार कर दिया। ये अविश्वसनीय रूप से दुखद और निराशाजनक है कि हमें अब भी इस तरह के मामलों से निपटना पड़ रहा है। क्लब ने पुष्टि की है कि वे पुलिस स्कॉटलैंड और अन्य संबंधित अधिकारियों को अपनी शिकायत का मसौदा तैयार कर रहे हैं, ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

भारत को सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा बजट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने केंद्रीय बजट 2024-25 को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट समावेशी विकास और भविष्य की दृष्टि से तैयार किया गया है, जिसमें सभी क्षेत्रों को प्रगति की राह पर ले जाने का प्रयास किया गया है। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बजट में ग्रामीण और शहरी विकास, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचनाओं, उद्योग, और स्टार्ट-अप सहित सभी क्षेत्रों को संतुलित तरीके से प्राथमिकता दी गई है। युवाओं को रोज़गार उपलब्ध कराने के कई प्रावधान किए गये हैं।

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह बजट समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाला है। महिला सशक्तिकरण, अल्पसंख्यक कल्याण और दिव्यांगजन के लिए विशेष योजनाएं शामिल की गई हैं, जिससे देश के प्रत्येक नागरिक को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा सके। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को इस दूरदर्शी और संतुलित बजट के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि यह बजट भारत को सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र के बजट में 12.7 प्रतिशत से अधिक वृद्धि - उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार ने उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए हैं। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में 12.7 प्रतिशत से अधिक वृद्धि कर 89 हज़ार 287 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि कर 1 लाख 25 हज़ार 638 करोड़ रुपये प्रावधानित हैं।

कौशल विकास और रोज़गार के अवसर प्रदान करने के कई प्रावधान 4 करोड़ 10 लाख से अधिक युवा लाभान्वित होंगे - उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में युवाओं को कौशल विकास और रोज़गार के अवसर प्रदान करने के प्रावधान किए गये है। इन प्रावधानों से 4 करोड़ 10 लाख से अधिक युवा लाभान्वित होंगे। किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए विगत माह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी की गयी थी, सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार के लिए वित्तीय सहायता के साथ जैविक खेती और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के बजट में सशक्त प्रयास किये गये हैं। अगले 2 वर्ष में पूरे देश में एक करोड़ से अधिक किसानों को प्राकृतिक कृषि से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है साथ ही किसानों को ब्रांडिंग में सहयोग प्रदान करने के भी प्रावधान किए गये हैं।

एमएसएमई को वित्तीय सहायता, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन - आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए, सरकार ने सड़क, रेल, और हवाई मार्ग के विस्तार के लिए बड़े प्रावधान किए हैं। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह बजट देश के औद्योगिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। एमएसएमई सेक्टर को वित्तीय सहायता, स्टार्टअप्स के लिए प्रोत्साहन, और मेक इन इंडिया अभियान को मजबूती देने के लिए सकारात्मक कदम उठाए गए हैं। 'तरुण' श्रेणी के अंतर्गत मुद्रा ऋण की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये किए जाने का प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान एमएसएमई क्षेत्र को मज़बूती प्रदान करेगा साथ ही रोज़गारों के सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला बजट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पेश किए गए बजट पर भारतीय जनता पार्टी के नेता, पूर्व जिला महामंत्री नरेन्द्र शर्मा ने कहा कि यह बजट किसानों, महिलाओं, गरीबों, युवाओं सहित सभी वर्गों के कल्याण एवं उत्थान पर केन्द्रित है। नयी टैक्स रिजीम में स्टैण्डर्ड डिडक्शन को 75000 रुपये, मुद्रा ऋण की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने तथा 30 लाख युवाओं के कौशल विकास के लिए 2 लाख करोड़ के पैकेज करने का निर्णय ऐतिहासिक है। यह बजट विकसित भारत की ध्येय प्राप्ति का आधार बन हर भारतीय की अपेक्षाओं व आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी, डीपीओ राजेंद्र बांगरे सहित स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास विभाग का कार्य संतोषजनक नहीं है। कलेक्टर ने कहा कि जिले में बीमारी फैलने से घटना होने पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी नहीं दी जाती। सोशल मीडिया या फिर किसी अन्य माध्यम से जानकारी मिलना दुर्भाग्य की बात है। विभागीय कर्मचारी के द्वारा कभी भी फील्ड में विजिट नहीं किया जाता। कलेक्टर ने डीपीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी सुपरवाइजरों को प्रत्येक महीने में 20 दिन अपने-अपने कार्य क्षेत्र का निरीक्षण एवं 10 दिन कार्यालय में कार्य करने के लिए निर्देशित करें। उन्होंने प्रत्येक दिन का प्रतिवेदन संबंधित अधिकारी से सोमवार को 11 बजे प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकर्ता जिस अनुपात में कार्य करेगी, उसे उसी अनुपात में वेतन देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शासन के आदेशानुसार सीएचओ के द्वारा उपस्थित का लाइव लोकेशन विभाग को देने से मना करने पर कार्यवाही करने और वेतन पर रोक लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी को ए.एन.सी रजिस्ट्रेशन 80 प्रतिशत के ऊपर किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने सभी बीएमओ पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कंप्यूटर आपरेटर और अन्य कर्मचारियों की गलतियों को छुपा कर कार्य करेंगे, तो बीएमओ के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। बैठक में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने विभाग का डेटा सुधार कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मैहर में कलेक्टर रानी बाटड ने 64 आवेदनों पर की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 64 आवेदकों की समस्याएं सुनी और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डीपीओ राजेंद्र बांगरे उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में मोतीलाल दहिया पिता शिव शंकर दहिया निवासी ग्राम तिघरा खुर्द के द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री कृषक अनुदान योजना के अंतर्गत 19505 रुपया सिक्योरिटी जमाकर 25 केवी ट्रांसफार्मर लगाया था पिता शिवशंकर के द्वारा पांच हॉर्स पावर का मोटर चलाने के लिए 1100 सिक्योरिटी जमा की गई थी। लेकिन विद्युत विभाग द्वारा व्यक्तिगत ट्रांफार्मर से अन्य लोगों को कनेक्शन वितरण किया जा रहा है। इसी तरह कन्हैया लाल बंसल उप सरपंच भदनपुर द्वारा बताया गया कि शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय भदनपुर में अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री द्वारा बच्चो की शिक्षा-दीक्षा के लिए 2 कंप्यूटर दिया गया था। जिसमे एक कंप्यूटर जय प्रकाश शुक्ला द्वारा 1 कंप्यूटर अपने निजी स्वार्थ के लिए घर ले गए है। इसी प्रकार मोहन सिंह ग्राम पटेहरा ने बताया कि शासकीय विद्यालय के शिक्षक शिवनाथ भुजिया के साथ एक प्राइवेट व्यक्ति को लाया गया है। जिसके द्वारा बच्चों को प्रताड़ित किया जाता है। साथ ही स्थानीय लोगों के द्वारा सवाल जवाब करने पर झूठे प्रकरण में फसाकर पुलिस द्वारा कार्यवाही कराने को धमकी दी जाती है। सुषमा कुशवाहा पति रामप्रकाश कुशवाहा सरपंच धनवाही ने बताया कि विगत 2 माह से अमृतलाल कनौजिया के द्वारा खाद्य सामग्री वितरण नहीं की गई है, जिसके कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए अमृतलाल कनौजिया के खिलाफ रिपार्ट कराने के निर्देश दिए। साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारी को जवाब तलब करने के निर्देश दिए। जिसमे विद्युत विभाग द्वारा बताया गया कि ट्रांसफार्मर विद्युत विभाग का है सिर्फ मोतीलाल दहिया को कनेक्शन दिया गया हैं। इसी प्रकार शिक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि विद्यालय में दोनों कंप्यूटर उपलब्ध है। दोनों व्यक्तियों के आपसी झगड़ो के कारण आरोप लगाया जा रहा है। पटेहरा विद्यालय के शिक्षक विकलांग है, जिन्हें किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा विद्यालय तक छोड़ने और लेने के लिए जाया जाता है।

आमजनता के 91 आवेदनों में की गई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जन सुनवाई में कलेक्टर अनुराग वर्मा ने जिले के विभिन्न अंचलो से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 91 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण करने के संबंध मे अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, एसडीएम नीरज खरे एवं सुधीर बेक द्वारा भी आवेदकों की समस्याओं पर जनसुनवाई की गई।

जनसुनवाई में रघुराजनगर तहसील अंतर्गत रैगांव निवासी विजय कुमार और मुख्तयारगंज में रहने वाली रानी सोनी ने श्रवण बाधित होने के कारण कलेक्टर को आवेदन देकर कान की मशीन दिलाये जाने की मांग की। कलेक्टर श्री वर्मा ने उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग सौरभ सिंह को निर्देशित किया। जनसुनवाई में ही कलेक्टर द्वारा दोनों को कान की मशीन उपलब्ध कराई गई। कान में मशीन लगते ही विजय कुमार और रानी सोनी को सब कुछ साफ सुनाई देने लगा। दोनों बेहद खुश हुए और शासन-प्रशासन को हृदय से धन्यवाद दिया। जन सुनवाई में आई सिजहटा गांव की सुंदीबाई ने बताया कि अब वह बीरनई गांव में रहने लगी हैं। जिससे पात्रता पर्ची का खाद्यान्न नहीं मिल रहा है। कलेक्टर द्वारा खाद्य विभाग को सुंदीबाई की समस्या का निराकरण शीघ्र करने के निर्देश दिये। एमपीईबी कॉलोनी सतना में रहने वाली श्रीमती अंजू देवी यादव मंगलवार की जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष पहुंची। कलेक्टर को दिए गए आवेदन में बताया कि उनकी पुत्री अंजली यादव का नाम शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्र -1 की प्रवेश सूची में ओबीसी कैटेगरी में 57 अंको की प्राप्ति के साथ 23वे स्थान पर है। लेकिन जाति प्रमाण-पत्र न होने की वजह से एडमीशन नहीं हो पा रहा है। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री नीरज खरे द्वारा तत्काल अंजू देवी को उनकी पुत्री के अन्य पिछड़ा वर्ग जाति का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया। समस्या का मौके पर ही समाधान हो जाने से अंजू देवी बेहद खुश हुई। इसी प्रकार जनसुनवाई में भरण पोषण भत्ता, जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने, राशन कार्ड बनाने, 80 वर्ष से अधिक आयु पर पारिवारिक पेंशन की बढ़ी राशि दिलाने, अनुकंपा नियुक्ति, जाति प्रमाण पत्र बनाने, चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने, अतिक्रमण हटाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

रीवा संभाग में 56.37 लाख हितग्राहियों को मिल रहा है खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गरीब परिवारों सहित 29 श्रेणियों में शामिल पात्र परिवार के सदस्यों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ दिया जाता है। रीवा संभाग में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित 2576 उचित मूल्य दुकानों से हर माह 56 लाख 37 हजार 23 हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। इससे रीवा संभाग के 13 लाख 7 हजार 529 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इनमें प्रत्येक सदस्य को पाँच किलो के मान से खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है।

इस संबंध में प्रभारी आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि पात्र परिवारों को राशनकार्ड तथा पात्रता पर्ची जारी की गई हैं। इनके आधार पर उचित मूल्य दुकानों से पीओएस मशीन के माध्यम से सत्यापित कर खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। संभाग के मैहर जिले में 286 उचित मूल्य दुकानों से 6 लाख 17 हजार सात, मऊगंज में 269 दुकानों से 5 लाख 42 हजार 190 तथा रीवा जिले में 655 उचित मूल्य दुकानों से 12 लाख 44 हजार 762 हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। सतना जिले में 536 उचित मूल्य दुकानों से 10 लाख 77 हजार 474, सीधी जिले में 448 उचित मूल्य दुकानों से 10 लाख 52 हजार 994 एवं सिंगरौली जिले में 382 उचित मूल्य दुकानों से 11 लाख 2 हजार 596 हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है।

उप-मुख्यमंत्री ने "अभिव्यक्ति के चार दशक" पुस्तक का किया विमोचन

संवेदनशील लेखन समाज का मार्गदर्शन करता है

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि सामाजिक समस्याओं पर संवेदनशील लेखन समाज का मार्गदर्शन करता है। कुरीतियों के सुधार के लिए प्रेरित करता है। हमेशा से लेखक और विचारकों ने शासन व्यवस्था को जागरूक किया है, सहयोग प्रदान किया है। ताकि सुशासन की स्थापना हो और जन-सामान्य की समृद्धि और खुशहाली सुनिश्चित हो। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान भोपाल के सभागार में संयुक्त संचालक जनसंपर्क श्री प्रलय श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक "अभिव्यक्ति के चार दशक" का विमोचन किया। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्री श्रीवास्तव द्वारा उनके अनुभवों को रेखांकित करने के प्रयास की सराहना की। उन्होंने वेबसाइट और यूट्यूब चैनल "जागरूक" के लोगो का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पशुपालन एवं डेयरी विभाग श्री लखन पटेल, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस, विधायक श्री श्रीकान्त चतुर्वेदी, पूर्व सांसद श्री आलोक संजर, वरिष्ठ पत्रकार श्री महेश श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री मनोज श्रीवास्तव सहित जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ और सेवानिवृत्त अधिकारी, पत्रकारगण और साहित्यकार उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री एवं विधायक श्रीमती चिटनीस ने कहा कि शासकीय ज़िम्मेदारियों के निर्वहन की व्यस्तताओं के साथ अपने मौलिक विचारों को जीवंत रखना और समाज के हित में अनुभव साझा करने का यह प्रयास सराहनीय है। सेवानिवृत्त आईएएस श्री श्रीवास्तव ने कहा जनसंपर्क में प्रचार लेखन कार्य के साथ विचार लेखन का प्रयास सराहनीय है। वरिष्ठ पत्रकार श्री श्रीवास्तव ने महाकवि कालिदास की कृति "मेघदूत" का उल्लेख करते हुए संयुक्त संचालक श्री श्रीवास्तव की कृति को मेघवर्णन की उपमा दी। उन्होंने कहा कि श्री प्रलय श्रीवास्तव ने अपने पिता मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय श्री सत्यनारायण श्रीवास्तव की लेखनी को जीवंत रखा है। संयुक्त संचालक जनसंपर्क श्री प्रलय श्रीवास्तव ने पुस्तक की विषयवस्तु का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि "अभिव्यक्ति के चार दशक" उनकी दूसरी पुस्तक है, जिसमें विगत 40 वर्षों के दौरान उनके द्वारा विभिन्न विषयों में लिखे गए समाचार पत्र- पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए लेखों का संग्रह तथा अन्य महत्वपूर्ण संस्मरण और संदर्भ समाहित हैं। उन्होंने सभी अतिथियों को अपनी पहली पुस्तक "मध्यप्रदेश में चुनाव और नवाचार" की प्रतियाँ भेंट की।

बिरसा मुण्डा स्वरोज़गार एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार सदस्यों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर के लिए भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत एक लाख से 50 लाख रुपये तक की उद्योग परियोजना शामिल है। इसमें आवेदन की आयु 18 से 45 वर्ष, आवेदक 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक न हो और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो। ब्याज अनुदान अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर 5 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जायेगा एवं मप्र शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी। इसी प्रकार टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक की स्वरोजगार योजना के लिए हितग्राही की आयु 18 से 55 वर्ष, आवेदक आयकर दाता न हो, और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो। आवेदक द्वारा समस्त उचवदसपदमण्हवअण्पद पोर्टल से आवेदन किया जा सकता है।

मदरसा बोर्ड के परीक्षा के आवेदन पत्र 25 जुलाई तक भरे जा सकेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मदरसा बोर्ड की हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी उर्दू माध्यम परीक्षा सत्र 2024 के लिये परीक्षा आवेदन पत्र अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन भरे गये थे अब बोर्ड ने नियत आवेदन तिथि को बढ़ाया है और बिना विलम्ब शुल्क के आवेदन पत्र 25 जुलाई 2024 तक भरे जा सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि-सुधार की तिथि अब 31 जुलाई, 2024 निर्धारित किया गया है। इस संबंध में बोर्ड के फोन नम्बर 0755-2735931, 2731437 और 2737362 से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

पीएचई के उपयंत्री निलंबित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के ग्राम पिपरहट बस्ती झिर्रहट में उल्टी दस्त की बीमारी के कारण 2 महिला मरीजों की मृत्यु होने पर कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने मैहर के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उपयंत्री रामलखन सिंह चंदेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबित अवधि में इनका मुख्यालय सतना नियत किया गया है। कमिश्नर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मैहर के ग्राम झिर्रहट में उल्टी दस्त की बीमारी प्रथमतः दूषित पानी पीने से हुई। स्पष्ट है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने वर्षाकाल के पूर्व किये जाने वाले उपाय और क्लोरीनेशन के कार्य में लापरवाही बरती गई है। सूचना के बाद भी उपयंत्री रामलखन चंदेल गांव में मेडीकल और प्रशासनिक टीम के भ्रमण के दौरान उपस्थित नहीं रहे और न ही उनके द्वारा दूषित पानी के सेम्पल लिये जाने की कार्यवाही की गई। ग्राम बरा खुर्द में भी 8 जून 2024 को उल्टी दस्त की बीमारी में 12 मरीजों का उपचार किया गया। इस दौरान भी उपयंत्री श्री चंदेल ने घटना स्थल का दौरा नहीं किया और ना ही स्वच्छ पेयजल संबंधी जागरूकता कार्य और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति बनाने का कोई प्रयास किया गया। दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता बरते जाने के कारण उपयंत्री रामलखन सिंह चंदेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

झिर्रेहट बस्ती में उल्टी दस्त बीमारी फैलने पर सुपरवाइजर निलंबित, आशा पद से पृथक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के पिपरहट ग्राम के झिर्रेहट बस्ती में 20 जुलाई को दूषित जल के सेवन से उल्टी दस्त की बीमारी फैलने पर बहुउद्देशीय पुरूष सुपरवाइजर उप स्वास्थ्य केन्द्र पिपरहट रामनरेश सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जबकि आशा कार्यकर्ता पिपरहट श्रीमती मिथलेश सिंह को पद से पृथक कर दिया गया है। दोनों ही कर्मचारियों पर कार्य में लापरवाही और कार्य क्षेत्र में होने वाली किसी भी महामारी/बीमारी फैलने की सूचना तत्काल प्रभाव से वरिष्ठ कार्यालयों को नहीं दिये जाने का दोषी पाया गया है।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करें विद्यार्थी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल`बीसवर्तीपचेण्हवअण्पद पर ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया 30 जून 2024 से प्रारंभ हो चुकी हैं। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांजन सशक्तीकरण द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय, प्राचार्य पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, तथा परियोजना समन्वयक जिला सर्व शिक्षा अभियान को पत्राचार करते हुए बताया कि प्री-मैट्रिक के लिए कक्षा 9वीं एवं 10वीं के दिव्यांग विद्यार्थी 31 अगस्त तक तथा कक्षा 11वीं से परिवारातक/परिवारातकोत्तर के विद्यार्थी पोस्ट मैट्रिक और टाप क्लास छात्रवृत्ति के लिए 31 अक्टूबर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।